● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 132, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार , 19 जून 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

जनता काम करने वालों को पसंद करती है : शिंदे 5

दिग्गज प्लेयर वैभव से हुआ प्रभावित 6

आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम ग्रामीण पर्यटन : डॉ यादव

होम-स्टे निर्माण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने वाले सीधी सहित 10 जिला कलेक्टर हुए सम्मानित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण पर्यटन आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम है। ग्राम स्तर पर पर्यटन गतिविधियों से जहां युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं, वहीं पर्यटन गतिविधियां, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, तीज-त्योहार-पर्व और खानपान को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होती हैं। प्रदेश में विकसित हो रहे होम-स्टे भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के ''अतिथि देवो भव:'' के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम बन रहे हैं। होम-स्टे संचालनकर्ता और राज्य सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश में आने वाले सभी अतिथि प्रदेश के बारे में सकारात्मक छवि और अच्छी स्मृतियां साथ लेकर जाएं। पर्यटन

के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य विभाग आदि समन्वित रूप से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में तीर्थाटन की परंपरा सदियों से रही है। दुनिया के लोग शौक और आनंद के लिए घर से निकलते हैं, वहां भारत के लोग चारधाम की मोक्ष यात्रा पर निकलते हैं, जहां वे सनातन सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए अन्य प्रदेशों की विविध जीवनशैली और परंपराओं से परिचित होते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय मूल्यों के अनुरूप परस्पर विश्वास की भावना को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बावजूद भी देश प्रगति पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण रंग पर्यटन संग राज्य स्तरीय उत्सव को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होम-स्टे निर्माण में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने सीधी, नर्मदापुरम, आगर, छतरपुर, निवाड़ी, मुरैना, सीहोर और पन्ना सहित 10 जिला कलेक्टरों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री द्वारा सीधी जिले से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 37 जिलों में होम-स्टे निर्मित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ाने में सहयोग प्रदान करने के लिए 16 ग्राम पंचायतों के सरपंच और डीएटीसीसी सहित संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा समेत अन्य जिलों के होम-स्टे संचालकों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण पर्यटन पर केंद्रित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्रामीण रंग पर्यटन संग उत्सव के अंतर्गत विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों और संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही चाक पर मिट्टी की कलाकृतियां भी बनाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के लिए डेडिकेटेड माइक्रो वेबसाइट लॉन्च की और प्रदेश के विभिन्न गांवों में निर्मित 241 होम-स्टे का वर्चुअल लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए सिग्निफाइंग और टूरिज्म बोर्ड के बीच 61 गांवों में एलईडी एवं सोलर लाइट्स लगाने के लिए एमओयू का आदान प्रदान किया गया।

कौशल बढ़ाने के लिए एआई जरूरी : पीएम

पीएम ने उर्जा सुरक्षा के लिए बताया भारत का 4ए फॉर्मूला

कनानास्किस (कनाडा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 आउटरीच सत्र को संबोधित किया। इस सत्र का विषय था - ऊर्जा सुरक्षा विविधता, तकनीक और बुनियादी ढांचा ताकि बदलती दुनिया में पहुंच और वहन क्षमता सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान पीएम मोदी ने बताया कि भारत का तकनीक के प्रति दृष्टिकोण मानवीय केंद्रित है। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत के 4ए सिद्धांतों पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

आमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी को धन्यवाद दिया और जी7 समूह को उसकी 50वीं वर्षगांठ पर बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऊर्जा

सुरक्षा आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने 4ए दृष्टिकोण विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भारत की समावेशी विकास की प्रतिबद्धता उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता और स्वीकार्यता जैसे चार सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन उसने पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले ही पूरा कर लिया है।

सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने नई तकनीकों से जुड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऊर्जा के आपसी संबंधों पर बात की। उन्होंने कहा कि जहां एआई, कौशल और नवाचार बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है, वहीं यह खुद भी ऊर्जा की खपत करता है। इसलिए यह जरूरी है कि हम इसे स्वच्छ और हरित तरीकों से टिकाऊ बनाएं।

भारत के मानव केंद्रित तकनीकी दृष्टिकोण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी तकनीक तब ही प्रभावी होती है, जब वह आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाए।

विमान हादसे के बाद मुश्किल में बीमा कंपनियां

पॉलिसीधारक के साथ नामित के निधन से फंसा पेंच

अहमदाबाद। 12 जून को लंदन जा रही एयर इंडिया के विमान हादसे में मारे गए यात्रियों और घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बीमा दावों को निपटाने में बीमा कंपनियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण यह है कि कई मामलों में बीमा पॉलिसीधारक और उनके द्वारा नामित व्यक्ति (नॉमिनी) दोनों ही इस दुर्घटना में मारे गए हैं। इस हादसे में 241 लोग, जिनमें यात्री और क्रू सदस्य शामिल थे, मारे गए हैं। जबकि एक शख्स चमत्कारिक रूप से बच गया है। वहीं घटनास्थल पर मौजूद 29 जमीन पर मौजूद लोगों की जान चली गई थी। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां पूरा परिवार ही इस दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। एअर इंडिया के इस विमान में 169 भारतीय नागरिक, 52 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार था।

इस हादसे के तुरंत बाद भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया कि वे मृतकों की जानकारी अपने रिकॉर्ड से मिलाएं और बीमा दावों में कोई देरी या अस्वीकृति न करें, बशर्ते मृतक की पहचान पक्की हो। इसके बाद प्रमुख बीमा कंपनियों जैसे, एलआईसी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस, बजाज एलियांज, टाटा एआईजी ने अहमदाबाद सिविल अस्पताल में हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं ताकि पीड़ित परिवारों की सहायता की जा सके।

एलआईसी के अधिकारी आशीष शुक्ला ने बताया कि कंपनी को अब तक 10 दावे मिले हैं। एक मामला ऐसा है जिसमें बीमित व्यक्ति ने अपने जीवनसाथी को नॉमिनी बनाया था, लेकिन दोनों की ही हादसे में मौत हो गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, शिष्टाचार भेंट की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने मुलाकात की जानकारी अपने एक्स अकाउंट पर दी और कहा कि राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आज मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी से शिष्टाचार भेंट की। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार मा. राष्ट्रपति जी! राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आज मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी से शिष्टाचार भेंट की।

इस्त्राइल ने हमला कर बड़ी गलती की, खामनेई की चेतावनी

आत्मसमर्पण से भी किया इनकार

तेहरान। ईरान और इस्त्राइल में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने बुधवार को देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, इस्त्राइल ने ईरान पर हमला करके बड़ी गलती की है। इसके साथ उन्होंने ये भी कहा कि ईरान कभी आत्मसमर्पण नहीं करेगा। खामनेई ने इस्त्राइल को चेतावनी देते हुए कहा कि, इस्त्राइली शासन को यह जान लेना चाहिए कि हिट-एंड-रन का युग खत्म हो गया है। उन्हें उनके अपराध की सजा मिलेगी। इसके साथ ही उनकी ओर से कहा गया है कि ईरान आत्मसमर्पण नहीं करेगा। बता दें कि अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार रात ईरानी को चेतावनी देते हुए आत्मसमर्पण करने के लिए कहा था।

अयातुल्ला अली खामनेई ने मंगलवार और बुधवार को अपने बयानों में अमेरिका और इस्त्राइल को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी थोपी गई शांति या युद्ध को स्वीकार नहीं करेगा। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण% की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए खामनेई ने कहा, जो लोग ईरान के इतिहास को जानते हैं, वे जानते हैं कि धमकी की भाषा ईरानी जनता के लिए कभी काम नहीं करती। अमेरिका को पता होना चाहिए कि किसी भी सैन्य कार्रवाई का अंजाम अपूरणीय नुकसान के रूप में होगा।

बुधवार को एक्स पर खामनेई ने लिखा, हमें आतंकवादी जायोनिस्ट शासन को जोरदार जवाब देना होगा। जायोनिस्टों के लिए कोई रहम नहीं होगी।

विमान दुर्घटना स्थल से एक व्यक्ति को मिले 70 तोला सोने के आभूषण, पुलिस को सौंपा

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद सबसे पहले बचावकर्मियों में शामिल राजेश पटेल शवों और कई घायलों को एंबुलेंस में ले जाने के तुरंत बाद घटनास्थल पर लौट आए। उन्होंने सुलगते मलबे में खोजबीन शुरू कर दी। 57 वर्षीय पटेल ने बताया कि उन्होंने विमान दुर्घटना स्थल से करीब 70 तोला सोने के आभूषण, 50,000 रुपये और कुछ अमेरिकी डॉलर मिले थे और उन्हें पुलिस को सौंप दिया।

अब 15 दिन के भीतर घर पहुंचेगा मतदाता पहचान पत्र

कर सकेंगे रियल-टाइम ट्रैकिंग, चुनाव आयोग का एलान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि उसने एक नई प्रक्रिया शुरू की है, जिससे मतदाता पहचान पत्र अब मतदाता सूची में अपडेट (नया नामांकन या किसी जानकारी में बदलाव) के 15 दिनों के भीतर मतदाता को भेज दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक मतदाता पहचान पत्र पहुंचने में एक महीने से ज्यादा का समय लग जाता है। आयोग ने कहा कि नई प्रणाली के तहत मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) बनने से लेकर डाक विभागके जरिए मतदाता तक पहुंचने तक हर चरण की रियल-टाइम ट्रैकिंग की जा सकेगी। यह प्रक्रिया निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा कार्ड जनरेट किए जाने के बाद से शुरू होगी। चुनाव निकाय ने बताया कि इसके साथ ही हर चरण में मतदाता को संदेश (एसएमएस) के जरिए जानकारी दी जाएगी, ताकि उन्हें अपने मतदाता कार्ड की स्थिति (स्टेटस) का पता चलता रहे।

फास्टैग को लेकर नितिन गडकरी का बड़ा एलान

3000 का वार्षिक पास लाएगी सरकार, 15 अगस्त से होगा प्रभावी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने फास्टैग को लेकर बड़ा एलान किया है। उनके एलान से निजी वाहनों को खासतौर पर फायदा होगा। उन्होंने बुधवार को 3000 रुपये के वार्षिक फास्टैग आधारित पास का एलान किया। यह पास 15 अगस्त से प्रभावी होगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, हम 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश कर रहे हैं, जो 15 अगस्त 2025 से प्रभावी होगा। यह एक्टिव होने की तारीख से एक साल या

200 यात्राओं तक के लिए वैध रहेगा। सक्रिय होने की तारीख से एक साल या 200 यात्रा, में से जो भी पहले होगा, तब तक यह मान्य होगा। यह पास विशेष रूप से गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया है। नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, एक ऐतिहासिक पहल के तहत 15 अगस्त 2025 से 3,000 की कीमत वाला फास्ट टैग आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। उन्होंने आगे लिखा, वार्षिक पास को सक्रिय करने, नवीनीकरण के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा एप और एनएचएआई या एमओआरटीएच की वेबसाइट्स पर एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी। उन्होंने लिखा, यह नीति 60 किलोमीटर की सीमा के भीतर स्थित टोल प्लाजा के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को संबोधित करती है और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी।

2025-26 में 6.5 फीसदी से ज्यादा रहेगी भारत की जीडीपी ग्रोथ-आईसीआरए का अनुमान

घरेलू आय बढ़ने की भी उम्मीद

कोलकाता। प्रमुख रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने अपने ताजा अनुमान में कहा है कि 2025-26 वित्त वर्ष में भारत की असली सकल घरेलू उत्पाद बढ़ोतरी 6.5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। वहीं, सकल मूल्य वर्धन (ग्रॉस वैल्यू एडेड) की बढ़ोतरी 6.3 प्रतिशत से ऊपर रहने की संभावना जताई गई है। आईसीआरए ने बताया कि ग्रामीण मांग मजबूत बनी रहेगी, जिसका कारण रबी की फसलों से होने वाली आमदनी और जलाशयों का सामान्य से अधिक जलस्तर है। आईसीआरए के अनुसार, खुदरा महंगाई 4.2 प्रतिशत से ऊपर रह सकती है। वहीं थोक महंगाई 2.7 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। इस दौरान राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जबकि चालू खाता घाटा -1 फीसदी रह सकता है। आईसीआरए के अनुसार, 2025-26 के बजट में इनकम टैक्स में राहत, ब्याज दरों में कटौती से कम ईएमआई, और खाद्य महंगाई में कमी से लोगों की घरेलू आय बढ़ने की उम्मीद है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री विश्व सिकल सेल दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को करेंगे सम्मानित

भोपाल। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशा निर्देश और मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा।

झांसी की रानी पर कांग्रेस नेता बरैया का विवादित बयान

बोले- उन्होंने आत्महत्या की थी, वीरांगना कैसे?

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के सभी बड़े नेता आज रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर रहे हैं और श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं वहीं कांग्रेस के विधायक फूल सिंह बरैया का वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई को लेकर दिए विवादित बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बीजेपी प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ने एक्स पर पर बैरया का यह वीडियो पोस्ट किया है। वायरल वीडियो 3 अक्टूबर 2015 को कांशीराम साहब की पुण्यतिथि का बताया जा रहा है। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया वीडियो में वीरांगना लक्ष्मीबाई की शहादत पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बरैया कह रहे हैं कि लक्ष्मीबाई अंग्रेजो से लड़कर शहीद नही हुई, उन्होंने झांसी से ग्वालियर में आकर आत्महत्या की थी। वीडियो में बरैया बोले- खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी है... बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी है, सुनी ही है यह तो लिखी भी नहीं है, क्यो सुनते हो तुम? युद्ध का मैदान कहां था झांसी और मरी आत्महत्या करके ग्वालियर में... फूल सिंह बरैया वीडियो में आगे कहते हैं वीरांगना उसी को कहते हैं जो युद्ध के मैदान में मरे, युद्ध का मैदान झांसी में था मरी थी लक्ष्मीबाई ग्वालियर में आत्महत्या करके, आत्महत्या करने वाले को वीरांगना कभी कहा? तो फिर हर रोज 10 लड़कियां आत्महत्या कर रही हैं उन्हें भी लिखो वीरांगनाएं।

घाटी में पर्यटन स्थलों पर लौटी बहार

जम्मू और कश्मीर संभाग के 16 पर्यटन स्थल सैलानियों के लिए खुले

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा समीक्षा के बाद मंगलवार को 16 पर्यटन स्थल फिर खोले गए। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद घाटी के 48 स्थल बंद कर दिए गए थे। खुलने वाले स्थलों में श्रीनगर का बादामवारी पार्क, निगीन डक पार्क और हजरतबल तकदीर पार्क; अनंतनाग का वेरीनाग, कोकरनाग व अच्छाबल; तथा पहलगाम की बेताब घाटी और स्थानीय बाजार के पार्क शामिल हैं।

बादामवारी पार्क और बेताब घाटी खुलने से पहले ही सैलानियों की भीड़ जुट गई। दिल्ली से आए

मोहम्मद आबिद ने बताया, यहां घूमने में कोई परेशानी नहीं हुई, कश्मीर के हालात सामान्य हैं। बेताब घाटी में ड्रोन से सर्च ऑपरेशन चलाया गया और कड़ी सुरक्षा तैनात की गई। स्थानीय लोगों ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि पर्यटन से कारोबार में रौनक लौटेगी। बारामुला की तबस्सुम मंजूर ने कहा, बाहर से सैलानी आएंगे तो खुशी होगी। अनंतनाग के विधायक गुलाम अहमद मीर ने जोर देकर कहा कि खुशहाल कश्मीर की छवि बहाल करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। दिल्ली के पर्यटक अमनप्रीत ने आतंक को चुनौती देते हुए कहा, हम आतंकियों से नहीं डरते। हालांकि अभी पर्यटकों की संख्या कम है, लेकिन इन स्थलों के खुलने से इसमें बढ़ोतरी की उम्मीद है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बंद किए गए सुला पार्क को मंगलवार को आधिकारिक तौर पर खोल दिया गया। कटड़ा मार्ग पर स्थित इस पार्क में खुलने के पहले दिन ही लोगों की भीड़ दिखी, जबकि पिछले दिनों में स्थानीय लोगों की आवाजाही सीमित थी। श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से श्री शिवखोड़ी धाम जाने वाले यात्रियों ने सुला में पड़ाव के दौरान पार्क में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। दो ठंडे पानी के स्विमिंग पूल में बड़ी संख्या में बच्चों और बुजुर्गों ने गर्मी से राहत पाई। संयम अरोड़ा ने बताया कि पिछले दिनों की तुलना में मंगलवार को पार्क में काफी भीड़ थी। मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी के बीच सरथल घाटी में पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है, जिससे इलाके में दूर-दराज से आए सैलानियों की वजह से चहल-पहल बढ़ गई है और स्थानीय व्यापारियों में खुशी की लहर है।

कंपनी प्रबंधन एवं जनपद सदस्य के बीच जमकर हुआ कहासुनी

महावीर कोल वाशरी पर प्रदूषण फैलाने व बेरोजगारों को रोजगार न देने का आरोप

सिंगरौली। हम केवल विधायक को ही जनप्रतिनिधि मानते हैं। जनपद सदस्य यहां का कौन है, मैं उन्हें कत्तई जनप्रतिनिधि नही मानता हूँ। उक्त कथन नौढ़िया में स्थापित महावीर कोल वाशरी के कर्ताधर्ता मिट्ठूलाल ने तहसीलदार दुधमनिया एवं गोरबी पुलिस के मौजूदगी में ग्रामीणों के द्वारा घेराव के दौरान कही। उन्होंने जनपद सदस्य राजेश कुमार सिंह राजू को खरी खोटी सुनाने लगे। इस बीच दोनों में जमकर तूतू-मैंमैं हुआ।

गौरतलब है कि महावीर कोल वाशरी भूमियों का विस्तार कर रहा है। उद्योग विभाग के द्वारा भूमि का आवंटन किया गया है। वही उक्त परियोजना के द्वारा बाउंड्रीवॉल भी बनाया जा रहा है। जिसको लेकर स्थानीय ग्रामीणों एवं जनपद सदस्य राजेश कुमार सिंह राजू ने आपत्ति जताते हुये महावीर कोल वाशरी के सामने सैकड़ों ग्रामीणों के साथ एकत्रित होकर विरोध करने लगे। हालांकि यह पूर्व से कार्यक्रम सुनियोजित था। इसकी जानकारी मिलते ही दुधमनिया तहसीलदार दीपेन्द्र सिंह तिवारी, गोरबी चौकी प्रभारी रूद्र प्रताप सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल कार्यक्रम स्थल पर पहुंच दोनों पक्षों की बात सुनने लगे। इस दौरान महावीर कोल वाशरी से जनपद सदस्य ने आठ बिन्दुओं की जानकारी मांगी गई थी। किंतु मौके पर उक्त कोल वाशरी के कर्ताधर्ता आधी अधूरी जानकारी दी जाने लगी। इसी बात को लेकर जनपद सदस्य एवं ग्रामीणजन भड़क गये। उक्त वाशरी के नौढ़िया के कर्ताधर्ता ने तूतू-मैंमैं के बीच कहा कि मैं केवल प्रतिनिधि विधायक को ही मानता हूँ। यहां के जनपद सदस्य कौन हैं, क्या होते हैं, उन्हें जनप्रतिनिधि नही कह सकता हूँ। रही बात सीएसआर मद से कार्य कराने की तो कलेक्टर का जो निर्देश होगा, उसी के तहत कार्य होगा। मैं जनपद सदस्य व सरपंच के कहने से कोई कार्य नही करूंगा। मिट्ठूलाल के उक्त बातों को सून वहां पर मौजूद जनपद सदस्य राजू सिंह एवं अन्य ग्रामीण भड़क गये। अंततः मामला जब गरमाने लगा और जब बात आगे बढ़ी तो, वहां मौजूद तहसीलदार एवं पुलिस अमले ने हस्तक्षेप पर मामले को किसी तरह शांत कराया और अधिकारियों ने माना कि उक्त कोल वाशरी के मिट्ठूलाल के बड़बोलापन के चलते विवाद की स्थिति निर्मित हो रही थी। फिलहाल महावीर कोल वाशरी कंपनी पर मनमानी एवं हैकड़ी दिखाकर कार्य करने जबरन बाउंड्री का निर्माण कराने, जमीन पर कब्जा करने व प्रदूषण फैलाने तथा स्थानीय लोगों को रोजगार न देने का आरोप लगाते हुये जनपद सदस्य ने कहा है कि कल दिन गुरूवार को उक्त मामले की शिकायत कलेक्टर से की जाएगी। वही जनपद सदस्य जनपद पंचायत क्षेत्र चितरंगी के जनपद सदस्य एवं पूर्व जिला पंचायत सभापति राजेश कुमार सिंह राजू ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि उक्त कंपनी के मिट्ठूलाल ने त्रिस्तरीय पंचायत के जनप्रतिनिधियों का घोर अपमान किया है। जिला पंचायत के सीईओ त्रिस्तरीय पंचायत के जिपं जनपद सदस्य व सरपंचों को जनप्रतिनिधि मानते हैं। लेकिन महावीर कोल वाशरी कंपनी नही मानती है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कंपनी को भाजपा के एक बड़े मंत्री का संरक्षण हैं। वही कांग्रेस के एक पूर्व विधायक का भी साझेदारी होने की चर्चाएं हैं। वह पूर्व विधायक दूसरे संभाग का है। साथ ही जनपद सदस्य ने कलेक्टर के यहां महान कोल वाशरी के मामले में आठ बिन्दुओं की शिकायत की है। आरोप है कि महदेइया रेलवे साइडिंग ग्राम पंचायत नौढ़िया के क्षेत्र में आने के वजह से प्रदूषण से यहां के रहवासी सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। क्षेत्र में कोयले उड़ती धूल के वजह से यहां की विजिविल्टी शून्य हो जाती है। आलम यह है कि धूल के वजह से पॉच से दस मीटर की दूरी पर कुछ भी दिखाई नही देता। यह भी आरोप है कि रात के अंधेरे में छाईयों का भण्डारण किया और कोयले का मिक्सिंग किया जा रहा है। इसके अलावा स्थानीय लोगों को रोजगार नही दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को सौपा दायित्व

सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी होंगे जिला पंचायत सीईओ

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 25 जून को सिंगरौली जिले के अनुभाग देवसर के तहसील सरई में प्रस्तावित दौरा को मद्देनजर रखते हुये कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारियों को दायित्व सौपा है। जिसके तहत सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश को सौपा गया है।

कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी अपर कलेक्टर पीके सेन गुप्ता एवं एएसपी अभिषेक रंजन होंगे। वही कार्यक्रम स्थल पर तकनीकी व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी जिला प्रबंधक लोक सेवा, जिला प्रबंधक ई-गर्वनेंश की होगी। हेलीपैड की व्यवस्था के लिए डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, सीईओ जनपद पंचायत देवसर होंगे। कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था की जिम्मेदारी वन मण्डल अधिकारी अखिल बंसल, उपखण्ड अधिकारी देवसर अखिलेश सिंह, अधीक्षण यंत्री विद्युत की तथा कार्यक्रम स्थल पर अग्नि शमक की व्यवस्था, बैठक एवं प्रवेश की व्यवस्था आवेदन प्राप्त करने के लिए स्टाल की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला पंचायत सीईओ, उपखण्ड अधिकारी माड़ा राजेश शुक्ला, ननि आयुक्त डीके शर्मा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यात्रिकी सेवा की होगी। साथ ही कलेक्टर ने समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने टीम के साथ समन्वय बनाकर समय पर सभी दायित्वों की पूर्ति सुनिश्चत करे। वही भ्रमण कार्यक्रम के दौरान काननू व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपर कलेक्टर एवं एसपी को कार्यक्रम के शांतिपूर्ण सम्पादन के लिए आवश्यकता अनुसार अपनी ओर से कार्यपालिक मजिस्ट्रेटो तैनाती करने के निर्देश दिए गए है।

आम बीनते समय बिजली करंट की शिकार हुई किशोरी

सिंगरौली। बरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम हड़बड़िया में आज एक किशोरी आम फल बीनने गई एक 17 साल की किशोरी बिजली करंट में चपेट में आई गई। जहां बालिका तड़प-तड़प कर दम तोड़ दी। वही घटना के बाद झटका तार में करंट फैलाने वाले लोग मृतिका के परिजनों को गाली गलौच देते हुये मारपीट पर उतारू हो गये। भारी संख्या में ग्रामीणों के जमा होने के बाद मामला शांत हो गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम हड़बड़िया निवासी मधु शाह पिता श्रीलाल शाह उम्र 17 वर्ष आज दिन बुधवार की दोपहर के समय रामकरण शाह के खेत में आम गिरा हुआ था। जहां मधु आम को बीनने गई, तभी रामकरण शाह के खेत में झटका मशीन लगी थी। जबकि वह काफी दिनों से बंद थी। आरोप है कि मधु को आम बीनते देख पुरानी रंजिश के चलते झटका मशीन में 440 वोल्ट का बिजली करंट लगा दिया। तभी मधु उसके चपेट में आ गई और मौके पर ही उसने दम तोड़ दी।

जिले में पॉच वर्षो के अधिक समय से पदस्थ हैं कई अधिकारी-कर्मचारी

सिंगरौली। प्रदेश में अधिकारी-कर्मचारियों के तबादला पर बीते दिन 17 जून से प्रतिबंध लग गया है। 1 महीने 17 दिन तक अधिकारी-कर्मचारियों के स्थानांतरण पर वैन खुला था, लेकिन जिले में उप पंजीयक समेत कई ऐसे विभागों के अधिकारी-कर्मचारी हैं, जिनका अभी तक के सूची में नही हुआ है। जिसपर तरह-तरह के सवाल खड़े किये जाने लगे हैं।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 1 मई से 17 जून तक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तबादले पर से प्रतिबंध हटा दिया गया था और राज्य सरकार ने नई तबादला नीति भी बनाई थी। जिसमें तीन वर्षो से अधिक समय तक एक ही स्थान एवं जिले में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों का तबादला किया जाना था, किंतु सिंगरौली में पिछले 2018 से पदस्थ उप पंजीयक अशोक सिंह परिहार का तबादला नही हुआ। जबकि उप पंजीयक पर कई गंभीर आरोप हैं और पूर्व में प्रमाणित भी हो चुके हैं। डेढ़ महीने तक निलंबित भी रहे। फिर से दोबारा यही सिंगरौली में पदस्थापना कर दी गई। चर्चाएं थी कि श्री सिंह पर स्थानांतरण नीति जरूर लागू होंगी। लेकिन ऐसा नही हुआ। वही महिला बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी बैढ़न शहर एवं ग्रामीण, चितरंगी के साथ-साथ आबकारी विभाग में पदस्थ श्वेता सिंह समेत अन्य निरीक्षक का तबादला नही हुआ और अभी तक जारी सूची में इन अधिकारियों-कर्मचारियों का नाम नही होने से सरकार के तबादला नीति पर भी विपक्षीय दलों के अलावा आमजन भी तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। फिलहाल उक्त विभाग के अधिकारी-कर्मचारी वर्षो से जहां पदस्थ हैं और इनकी मनमानी कार्यप्रणाली पर भी शिकायतें होती रही। इसके बावजूद संबंधित विभाग के मंत्री व सचिव अनजान बने रहे। विभागों के मंत्री व सचिव भी सवालों के कटघरें में हैं।

जिला आबकारी अधिकारी एवं सिविल सर्जन का हुआ तबादला

कई वर्षो से जिले में पदस्थ जिला आबकारी अधिकारी खेमराज श्याम का तबादला कार्यवाहक प्रभारी आबकारी अधिकारी अनूपपुर जिले के लिए हुआ है। वही शहडोल में पदस्थ आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप का तबादला सिंगरौली में कार्यवाहक प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी के पद पर हुआ है। जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढ़न-जिला सिंगरौली में पदस्थ डॉ. देवेन्द्र सिंह का सिविल अस्पताल मैहर के लिए स्थानांतरण हुआ है। साथ ही एके राय खनिज अधिकारी का स्थानांतरण संसोधित कर जबलपुर के लिए स्थानांतरण कर दिया गया है। इसके अलावा सहायक खनिज अधिकारी द्वय केएम शुक्ला का सीधी एवं डॉ. विद्याकांत तिवारी का उमरिया जिले के लिए तबादला किया गया है।

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी ने तीन दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर का किया आयोजन

सिंगरौली। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी सिंगरौली द्वारा सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया के तत्वाधान में जेपी सुपर थर्मल पावर प्लांट निगरी में तीन दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मियों एवं अधिकारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना रहा। प्रशिक्षण के तीसरे एवं अंतिम दिवस आज दिन बुधवार को रेडक्रॉस फर्स्ट एड ट्रेनर डॉ. सुशील सिंह चंदेल द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अग्निदाह इलेक्ट्रिक बर्न, केमिकल बर्न, बर्न की विभिन्न अवस्थाएं, दम घुटना, पानी में डूबना, धुएं एवं गैसों से बचाव, विषाक्तता कीट एवं सर्पदंश, कुत्ते के काटने, इन्द्रियों में बाहरी वस्तु चले जाने की स्थिति, डायरिया, हृदयाघात, स्ट्रोक, फ्रॉस्ट बाइट्स जैसी आपातकालीन

एवं चिकित्सकीय स्थितियों में प्राथमिक उपचार कैसे दिया जाए, इस विषय पर अत्यंत ही सरल, व्यवहारिक एवं वैज्ञानिक ढंग से विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त रक्तदान के महत्व, प्रक्रिया एवं सावधानियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी सभी प्रतिभागियों को प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा यह संकल्प लिया कि वे जीवन के किसी भी पड़ाव पर यदि किसी को चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता होगी, तो वे अपनी प्रशिक्षण की जानकारी का उपयोग करते हुए उसके जीवन की रक्षा के लिए तत्पर रहेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर की जेपी निगरी प्रबंधन द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई तथा सभी उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा इसे अत्यंत लाभकारी एवं उपयोगी प्रशिक्षण बताया गया। प्रशिक्षण आयोजन में ट्रेनर के सहायक के रूप में जय प्रकाश दुबे भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे एवं उन्होंने समन्वय एवं संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सिंगरौली ने एक बार पुनः यह सिद्ध किया है कि वह समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए सतत प्रयासरत है।

नरेंद्र मोदी का 11 वर्ष एक कार्यकाल ही नहीं, बल्कि सेवा, संकल्प और राष्ट्रीय उत्थान का गौरवशाली युग है: कांत देव

सिंगरौली। केंद्र सरकार के 11 साल बेमिसाल संकल्प से सिद्धि तक अभियान के अंतर्गत मंडल सिंगरौली की संकल्प बैठक अधिकारी मनोरंजन केंद्र में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह एवं विधायक रामनिवास शाह तथा पूर्व जिलाध्यक्ष रामसुमिरन गुप्ता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विनोद सिंह कुरूवंशी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं वक्ता कांतदेव सिंह ने कहा कि जिस विकसित भारत की संकल्पना हम सब किया करते थे, आज उस मार्ग पर देश को गतिमान करने में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व है। पिछले 11 वर्षों के समय केवल एक कार्यकाल के रूप में नही बीता है, बल्कि यह सेवा, संकल्प तथा राष्ट्रीय उत्थान का गौरवशाली युग रहा है। इन बीते वर्षों में राष्ट्र भीतर तथा बाहर दोनों रूप में सशक्त हुआ है तथा चहुंमुखी प्रगति की दिशा में गतिमान हुआ है। हम जिस विकसित भारत संकल्प यात्रा को जन-जन तक ले जा रहे हैं ये यात्रा इसका उद्देश्य ही पिछले दशक से आज के भारत की तुलना है। आम भारतीय के जीवन के उत्थान से लेकर देश को वैश्विक पटल की शिखरता तक पहुंचाने में मोदी के नेतृत्व की ही भूमिका रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष ने समस्त कार्यकर्ताओं को विकसित भारत यात्रा संकल्प का वाचन कराया तथा शपथ दिलाई। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक रामनिवास शाह ने सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डाला तथा जिलाध्यक्ष ने इस अभियान पर आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों को पूरी गुणवत्ता के साथ आयोजित करने के निर्देश कार्यकर्ताओं को दिए। इस बैठक मुख्य रूप से जिले की उपाध्यक्ष आशा यादव, आईटी सेल के संयोजक सुरेश गिरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र गर्ग, महामंत्री किरण सागर, नम्रता सिंह, अशोक पाठक, राजेश्वर बैस, श्रीराम शुक्ला, विमल गुप्ता एवं मंडल के समस्त पदाधिकारियों समेत वार्ड संयोजक एवं शक्ति केन्द्र तथा बूथ समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

एनटीपीसी रिहंद में बालिका सशक्तिकरण अभियान का हुआ समापन

सिंगरौली। एनटीपीसी रिहंद परियोजना में बालिका सशक्तिकरण अभियान का समापन समारोह आज दिन बुधवार को तरंग प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख अनिल श्रीवास्तव नें अध्यक्षा वर्तिका महिला मंडल समिति शिखा श्रीवास्तव की उपस्थिति में किया। 21 मई से 18 जून तक चले इस एक माह के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीण विद्यालयों की 120 बालिकाओं नें भाग लिया, जिन्हें प्रशिक्षण के दौरान केवल शिक्षा ही नही दी गयी, बल्कि उनके सम्पूर्ण विकास के लिए सभी उपयोगी प्रशिक्षण जैसे व्यक्तित्व विकास, दैनिक जीवन कौशल, संचार कौशल विकास, स्वास्थ्य और स्वच्छता, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कौशल विकास की ट्रेनिंग भी दी गयी है। इसके अलावा अन्य दैनिक जीवन उपयोगी प्रशिक्षण जैसे योगा, खेलकूद सहित अन्य का ज्ञान प्रदान करते हुये उन्हे जीवन के हर परिस्थिति में जीवन जीने की कला को भी दिखाया गया है। सर्वप्रथम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं सहअतिथियों नें बालिकाओं द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं बालिकाओं द्वारा बनाए गए क्राफ्ट को खूब सराहा। कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक अनिल श्रीवास्तव नें कहा कि बेटियाँ हर परिवार की मजबूत नींव होती हैं और जब नींव मजबूत होती है तो पूरा परिवार सशक्त और स्थिर बनता है।

कार्यालय कलेक्टर जिला सिंगरौली एवं पदेन उप सचिव म0प्र0 शासन
राजस्व विभाग

क्रमांक 948 /भू-अर्जन/2025 सिंगरौली, दिनांक 11/06/2025

अधिसूचना

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है किसंलग्न अनुसूची के खाने (1) से (3) में वर्णित भूमि की राज्य शासन के जल संसाधन विभाग को गोंड वृहद सिंचाई परियोजना के बांध एवं डूब क्षेत्र हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। इस परियोजना में निहित लोकहित के दृष्टिगत कुछ प्रभावित व्यक्तियों का विस्थापन आवश्यक हो गया है। म.प्र. शासन जल संसाधन विभाग भोपाल के पत्र कमांक 22(ए)/356/2017/एम.पी.ए.एस./21/1785 भोपाल दिनांक 20/09/2017 द्वारा जिला सिंगरौली अंतर्गत गोंड वृहद सिंचाई परियोजना हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदाय की गई है। गोंड वृहद सिंचाई परियोजना हेतु टी.ओ.आर. की स्वीकृति केन्द्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्र क्रमांक J-12011/33/2017/-IA-I(R) नई दिल्ली दिनांक 29.11.2017 को प्राप्त की जा चुकी है। अतः अधिनियम की धारा 6(2) के परंतुक अनुसार सामाजिक समाघात निर्धारण के उपबंध लागू नहीं होगें। भूमि-अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 6(2) के परंतुक अनुसार ऐसी सिंचाई परियोजना के बाबत जहां पर्यावरण समाघात निर्धारण प्रकिया तत्समय प्रवत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन अपेक्षित है, वहां इस अधिनियम के सामाजिक समाघात निर्धारण से संबंधित उपबंध लागू नहीं होगे। परियोजना के निर्माण से सिंगरौली एवं सीधी जिले के लगभग 147 ग्रामों की लगभग 33000 हे0 भूमि सिंचित होनी है एवं परियोजना के निर्माण से व्यापक लोकहित निहित है । अतः भूमि-अर्जन पुर्नवास और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा परियोजना हेतु निम्नानुसार अर्जन किया जाता है:-

-: अनुसूची :-

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला :- सिंगरौली
(ख) तहसील :- सरई
(ग) ग्राम :- हरिहरपुर
(ड.) निजी भूमि काअर्जित क्षेत्रफल :- 2.50हे0

क्र.	खसरा नम्बर	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकबा हे0 में	धारा-12 के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5
1	30	0.56	कार्यपालन यंत्री जलसंसाधान संभाग क-2 सिंगरौली जिला सिंगरौली (म.प्र)	गोड़ वृहद सिंचाई परियोजना के बाँध एवं डूबक्षेत्र हेतु
2	31	0.3		
3	59	0.24		
4	219	0.95		
5	221	0.46		
	निजी भूमि का योग-	2.50		

2. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका म0प्र0 राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के कमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है, के द्वारा प्रत्येक जिले में कलेक्टर कार्यालय की भू-अर्जन शाखा के प्रभारी अधिकारी को, जो डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा और उसके सेवकों, कर्मचारियों या उसके निर्देशों के अधीन कार्य करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को उस जिले के भीतर अधिनियम की धारा-12 के उपबंधों को कियान्वित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। अतः उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा सिंगरौली को अधिनियम की धारा-12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है । अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवसर एवं कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग क0-2 सिंगरौली को प्रभारी अधिकारी, भू-अर्जन शाखा जिला सिंगरौली के निर्देशन में कार्य करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे ।

3. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ 16-15-(8)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका म0प्र0 राजपत्र 10. के पृ कमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है, के द्वारा प्रत्येक जिले में कलेक्टर कार्यालय की भू-अर्जन शाखा के प्रभारी अधिकारी को, जो डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा को पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। अतः प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सिंगरौली अधिनियम की धारा 16 के तहत पुनर्व्यवस्थापन स्कीम तैयार कर प्रस्तुत करेंगे । इस कार्य में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवसर एवं परियोजना प्रबंधक कार्यपालन यंत्री जल संसाधनसंभाग क0-2 सिंगरौली समुचित सहयोग करेंगे एवं प्रशासक के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही पूर्ण करेंगे।

4. अधिनियम की धारा-11(4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई सव्यवहार नहीं करेगा, या कोई संव्यवहार नहींहोने देगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नहीं करेगा।

5. अधिनियम की धारा-15(1) के अधीन यथा उपबंधित इस सूचना की तारीख से 60 (साठ) दिनों के भीतर किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के संबंध में कलेक्टर के समक्ष (कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवसर में) आपेक्ष यदि कोई हो फाइल किया जा सकेगा। भूमि का नक्शा (प्लान) उपखण्ड अधिकारी देवसर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

(चन्द्रशेखर शुक्ला)
कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव
म.प्र. शासन

जी-14492/25

शिवसेना ने की फर्जी चालान व धमकी देने वालों पर सख्त कार्यवाही की मांग

सीधी। जिले में छोटे व्यापारियों, ठेले-गोमती वालों एवं साप्ताहिक हाट में व्यवसाय करने वाले मेहनतकश नागरिकों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को लेकर शिवसेना जिला इकाई ने कड़ा रुख अपनाया है। शिवसेना ने एक औपचारिक पत्र के माध्यम से जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से इस पूरे मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर कठोर कार्यवाही की मांग की है।

शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडेय ने बताया , हाल ही में कुछ स्वयंभू तत्वों द्वारा व्यापारियों को डरा-धमकाकर उनकी दुकानें बंद करवाई जा रही हैं। आरोप है कि ये लोग फर्जी चालान और जुर्माने की धमकी देकर न केवल भय का वातावरण बना रहे हैं, बल्कि जिले की कानून व्यवस्था को भी चुनौती दे रहे हैं। इस स्थिति से आम व्यापारी वर्ग मानसिक और आर्थिक रूप से बुरी तरह पीड़ित है।

वही रविवार के दिन ज्यादातर बड़े व्यापारी अपने तगादे में जाने की वजह समझ आ रहा इस संबंध में शिवसेना ने प्रशासन से तीन प्रमुख मांगें रखी हैं-पहली, ऐसे कानून हाथ में लेकर तानाशाही रवैए से दुकान बंद कराने वालो की पहचान कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही आगामी की जाए; दूसरी, साप्ताहिक हाट व बाजारों में व्यापारियों की सुरक्षा हेतु पुलिस बल की तैनाती की जाए; जिससे शांति पूर्ण अपना व्यापार सन हालत कर सके और तीसरी, किसी भी संगठन या व्यक्ति को कानून हाथ में लेने से सख्ती से रोका जाए।

श्री पांडे ने कहा जिन ब्यापारियो को अवकाश में रहना है रहे व्यापारी अपने व्यापार का खुद मालिक है बंद रखे या खोले उसका विषय लेकिन अन्य ब्यापारियो के ऊपर दबाव तानाशाही पूर्वक न बनाए सामाजिक तरीके से संबंध बना कर बात करे बाकी हम व्यापारियों के फैसले का स्वागत करते है अपने परिवार को समय दे बिना किसी लालच के रही बात राजनीति की तो व्यापारी साथी ध्यान दे की कोई इस प्रकार का मुखिया साथ न रखे जो किसी पार्टी में स्वयं राजनीति करते हो इस प्रकार हुआ तो राजनीति होना भी तय है साथ ही किसी प्रकार कोई पार्टी से मतलब न रखने वाला व्यापारी साथ समर्पित हो हर पार्टी समाज को साथ लेके चलने वाला व्यक्ति हो उसी में सबकी भलाई है

पार्टी ने यह भी कहा कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जिले की शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। प्रशासन से आग्रह किया गया है कि वह मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करे।

इस बीच प्रमुख रूप से शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे, संभाग उपाध्यक्ष प्रदीप विश्वकर्मा, संभाग सयोजक संतकुमार केवट,जिलाध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल उर्फ भोले,सीधी विधानसभा प्रभारी रोहित राठौर,नगर अध्यक्ष जैनेंद्र सिंह चौहान उर्फ मुन्ना , युवा जिला सायोजक आकाश परांडे, युवा उपाध्यक्ष सुनील विश्वकर्मा, गौ सेवक दीपेंद्र तिवारी,संदीप मिश्रा,मोहित चौहान सहित कई शिवसैनिक रहे मौजूद।

सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान हेतु पूर्णत: ऑनलाईन व्यवस्था लागू की गई

सीधी। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि कार्यालय आयुक्त, कोष एवं लेखा म.प्र. द्वारा प्रदेश के समस्त कोषालयों में सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान हेतु पूर्णत: ऑनलाईन व्यवस्था दिनांक 21 फरवरी 2025 से लागू की गई है। नवीन प्रक्रिया के अंतर्गत महालेखाकार कार्यालय द्वारा ऑनलाईन अंतिम भुगतान के प्राधिकार पत्र जारी किए जाएंगे। इस संबंध में ई-दक्ष केन्द्र में अभिलेखों को स्कैन करने एवं ऑनलाईन प्रोसेस की हैण्डस ऑन प्रशिक्षण सत्र भी दिनांक 27.02.2025 से दिनांक 06.03.2025 तक आयोजित किये गये हैं।

उन्होने जिले के समस्त आहरण संवितरण अधिकारियों को सूचित किया है कि भविष्य में किये जाने वाले सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की प्रक्रिया को ऑनलाईन ईजीपीएफ प्रेषित किये जावें। साथ ही अंतिम भुगतान प्रकरण महालेखाकार कार्यालय को प्रेषित करते समय पांचवी अनुसूची के साथ सामान्य भविष्य निधि पासबुक को स्पष्ट स्कैन कर अनिवार्य रूप से अटैच करना सुनिश्चित करें।

रीवा में पूर्व सैनिक कल्याण समारोह रैली 22 जून को

सीधी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने जानकारी देकर बताया कि सिग्नल रिकॉर्ड आफिस मध्य भारत एरिया भारतीय सेना जबलपुर द्वारा रीवा में कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में 22 जून को सुबह 8 बजे से पूर्व सैनिक कल्याण समारोह रैली आयोजित की जा रही है। इस समारोह में जी.ओ.सी. मध्य भारत एरिया मुख्य अतिथि होंगे। इस समारोह में रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, सतना, मैहर, शहडोल और उमरिया जिलों के पूर्व सैनिक, सैनिक विधवाये एवं वीर नारियां शामिल होंगी। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी लोग अपने पहचान पत्र के साथ सुबह 8 बजे से कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम रीवा में पहुँचकर अपना पंजीयन करायें।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने किया कार्यों का निरीक्षण

सीधी। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा द्वारा मंगलवार दिनांक 17.06.2025 को जनपद पंचायत रामपुर नैकिन की ग्राम पंचायत बेल्दह और मड़वा का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत बेल्दह मे सामुदायिक खेत तालाब का निरीक्षण किया गया जो अपूर्ण था तथा सूचना फलक भी मौके मे नहीं पाया गया। उन्होंने उक्त के संबंध में संबंधित उपयंत्री, सरपंच, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक को निर्देश जारी किए है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, ई-केवाईसी की समीक्षा की तथा संबंधित अमले को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लाभ लेने ऑनलाइन करें आवेदन

सीधी। सहायक संचालक उद्यान जिला सीधी ने जानकारी देकर बताया कि उद्यानिकी विभाग में प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना, एकीकृत बागवानी विकास योजना, राज्य योजना में फल पौधरोपण योजना, सब्जी क्षेत्र विस्तार, मसाला क्षेत्र विस्तार योजनाओं में आनलाईन आवेदन प्रारंभ हो गये हैं। उन्होंने समस्त कृषक बंधुओं को सूचित किया है कि विकासखण्ड के कियोस्क सेन्टर में एपीएफएसटीएस पोर्टल पर आनलाईन आवेदन कर योजना का लाभ लेवें। योजना से संबंधित अधिक जानकारी हेतु सहायक संचालक उद्यान सीधी एवं विकासखण्ड में पदस्थ प्रभारी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारियों से सम्पर्क कर कार्यालयीन समय में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

नि:शुल्क राशन प्राप्त करने वाले सभी पात्र हितग्राहियों को ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 30 जून

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवाइसी किए जाकर दोहरे, अपात्र, साईलेन्ट राशनकार्डों का पोर्टल से विलोपन करने निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी न होने पर ई-केवाईसी शेष रहने वाले हितग्राहियों को वितरित खाद्यान्न पर भारत सरकार द्वारा अनुदान भुगतान पर रोक लगाया जाना संभावित है तथा ऐसे हितग्राहियों को राशन प्रदाय करने में राज्य शासन को अतिरिक्त वित्तीय व्यय भार आना संभावित है। एनएफएसए 2013 अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराना राज्य शासन की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विभागीय समीक्षा में भी हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि एनएफएसए 2013 अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की ई-केवाइसी पूर्ण करने हेतु सतत् रूप से अभियान चलाया जा रहा है।

प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली जब्त कर विनष्टीकरण की कार्यवाही की गई

सीधी। सहायक संचालक मत्योद्योग ने जानकारी देकर बताया है कि मंगलवार दिनांक 17.06.2025 को कलेक्टर जिला सीधी के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी के मार्गदर्शन में मत्स्य विभाग की टीम द्वारा रामपुर नैकिन बाजार में प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली का विक्रय करते पाए जाने पर मत्स्य विक्रेता वीरेंद्र कुमार मांझी की दुकान से लगभग 9 किलोग्राम प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली जब्त कर विनष्टीकरण की कार्यवाही शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र गोरियारा सीधी में की गई। मत्स्य विक्रेता को सख्त हिदायत दी गई कि थाई मगुर मछली का पालन एवं विक्रय प्रतिबंधित है तथा भविष्य में ऐसा करते पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी। टीम में मयंक मिश्रा, मत्स्य निरीक्षक तथा दीप नारायण तिवारी मत्स्य जमादार सम्मिलित रहे।

कार्यालय कलेक्टर जिला सिंगरौली एवं पदेन उप सचिव म0प्र0 शासन
राजस्व विभाग

क्रमांक 950 /भू-अर्जन/2025 सिंगरौली, दिनांक 11/06/2025

अधिसूचना

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है किसंलग्न अनुसूची के खाने (1) से (3) में वर्णित भूमि की राज्य शासन के जल संसाधन विभाग को गोंड वृहद सिंचाई परियोजना के बांध एवं डूब क्षेत्र हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। इस परियोजना में निहित लोकहित के दृष्टिगत कुछ प्रभावित व्यक्तियों का विस्थापन आवश्यक हो गया है। म.प्र. शासन जल संसाधन विभाग भोपाल के पत्र कमांक 22(ए)/356/2017/एम.पी.ए. एस./21/1785 भोपाल दिनांक 20/09/2017 द्वारा जिला सिंगरौली अंतर्गत गोंड वृहद सिंचाई परियोजना हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदाय की गई है। गोंड वृहद सिंचाई परियोजना हेतु टी.ओ.आर. की स्वीकृति केन्द्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्र क्रमांक J-12011/33/2017/-IA-I(R) नई दिल्ली दिनांक 29.11.2017 को प्राप्त की जा चुकी है। अतः अधिनियम की धारा 6(2) के परंतुक अनुसार सामाजिक समाघात निर्धारण के उपबंध लागू नहीं होगें। भूमि-अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 6(2) के परंतुक अनुसार ऐसी सिंचाई परियोजना के बाबत जहां पर्यावरण समाघात निर्धारण प्रकिया तत्समय प्रवत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन अपेक्षित है, वहां इस अधिनियम के सामाजिक समाघात निर्धारण से संबंधित उपबंध लागू नहीं होगे। परियोजना के निर्माण से सिंगरौली एवं सीधी जिले के लगभग 147 ग्रामों की लगभग 33000 हे0 भूमि सिंचित होनी है एवं परियोजना के निर्माण से व्यापक लोकहित निहित है । अतः भूमि-अर्जन पुर्नवास और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा परियोजना हेतु निम्नानुसार अर्जन किया जाता है:-

-: अनुसूची :-

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला :- सिंगरौली
(ख) तहसील :- सरई
(ग) ग्राम :- भरसेड़ी
(ड.) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल :- 42.48हे0

क्र.	खसरा नंबर	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकबा हे0 में	धारा-12 के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5
1	2343	0.5	कार्यपालन यंत्री जल संसाधन क्र.2 सिंगरौली जिला सिंगरौली (म.प्र.)	गोड वृहद सिचाई परियोजना के बॉध एव डूब क्षेत्र हेतु
2	2344	1		
3	2346	0.6		
4	2347	1.05		
5	2349	0.73		
6	2353/2	1		
7	2353/3	0.04		
8	2353/4	0.04		
9	2354/2	0.04		
10	2354/3	0.04		
11	2354/4	0.02		
12	2356	1		
13	2365	0.19		
14	2366	0.66		
15	2367	0.19		
16	2368	0.04		
17	2369	0.21		
18	2370	0.03		
19	2374	1.5		
20	2375/2	1		
21	2379	0.42		
22	2403	0.38		
23	2495/2	0.02		
24	2499/2	0.04		
25	2499/3	0.04		
26	2499/4	0.01		
27	2499/5	0.02		
28	2499/6	0.02		
29	2499/7	0.02		
30	2500	0.36		
31	2501	0.07		
32	2534	0.05		
33	2536/2	0.02		
34	2536/3	0.02		
35	2536/4	0.02		
36	2537	0.04		
37	2538	0.9		
38	2539/1	0.55		
39	2539/2	0.03		
40	2539/3	0.03		
41	2540	0.04		
42	2541	1.08		
43	2542	0.07		
44	2543	0.2		
45	2544	0		
46	2545	0.08		
47	2547	0.03		
48	2559	0.06		
49	2560	0.17		
50	2561	0.23		
51	2562	0.01		
52	2563	0.06		
53	2577	0.01		
54	2579	0.1		
55	2580	0.18		
56	2581	0.32		
57	2582	0.2		
58	2584	0.34		
59	2585	0.44		
60	2587	0.06		
61	2588	0.19		
62	2589	0.34		
63	2590	0.21		
64	2591	0.19		
65	2592	0.18		
66	2594	0.74		
67	2596	0.17		
68	2597	0.4		
69	2598/1	0.9		
70	2598/2	0.67		
71	2606	0.02		
72	2608	0.19		
73	2609	0.01		
74	2644	0.08		
75	2645	0.63		
76	2646	0.13		
77	2647	0.16		
78	2648/1	0.05		
79	2648/2	0.4		
80	2656	0.2		
81	2658	0.11		
82	2659	0.88		
83	2660	0.74		
84	2661	0.38		
85	2662	1.04		
86	2663/1	0.07		
87	2663/2	0.07		
88	2663/3	0.07		
89	2664/1	0.29		
90	2664/2	0.48		
91	2671	0.06		
92	2672	0.25		
93	2673/1	0.64		
94	2673/2			
95	2674	0.62		
96	2675	0.04		
97	2676	1.35		
98	2677	1.67		
99	2680	0.34		
100	2683	0.77		
101	2684	1.1		
102	2704	0.07		
103	2705	0.01		
104	2706	0.48		
105	2707	0.1		
106	2847/1	1.8		
107	2847/2	1.8		
108	2847/3	1.79		
109	3441	1.51		
110	3442	0.32		
111	3443	0.32		
112	3444	0.66		
113	3459	0.19		
निजी भूमि का योग-		42.48		

2. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका म0प्र0 राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के कमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है, के द्वारा प्रत्येक जिले में कलेक्टर कार्यालय की भू-अर्जन शाखा के प्रभारी अधिकारी को, जो डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा और उसके सेवकों, कर्मचारियों या उसके निर्देशों के अधीन कार्य करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को उस जिले के भीतर अधिनियम की धारा-12 के उपबंधों को कियान्वित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। अतः उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा सिंगरौली को अधिनियम की धारा-12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है । अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवसर एवं कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग क0-2 सिंगरौली को प्रभारी अधिकारी, भू-अर्जन शाखा जिला सिंगरौली के निर्देशन में कार्य करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे ।

3. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ 16-15-(8)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका म0प्र0 राजपत्र 10. के पृ कमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है, के द्वारा प्रत्येक जिले में कलेक्टर कार्यालय की भू-अर्जन शाखा के प्रभारी अधिकारी को, जो डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा को पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। अतः प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सिंगरौली अधिनियम की धारा 16 के तहत पुनर्व्यवस्थापन स्कीम तैयार कर प्रस्तुत करेंगे । इय कार्य में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवसर एवं परियोजना प्रबंधक कार्यपालन यंत्री जल संसाधनसंभाग क0-2 सिंगरौली समुचित सहयोग करेंगे एव प्रशासक के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही पूर्ण करेंगे।

4. अधिनियम की धारा-11(4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई संव्यवहार नहीं करेगा, या कोई संव्यवहार नही होने देगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नहीं करेगा।

5. अधिनियम की धारा-15(1) के अधीन यथा उपबंधित इस सूचना की तारीख से 60 (साठ) दिनों के भीतर किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के संबंध में कलेक्टर के समक्ष (कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देवसर में) आपेक्ष यदि कोई हो फाइल किया जा सकेगा। भूमि का नक्शा (प्लान) उपखण्ड अधिकारी देवसर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

(चन्द्रशेखर शुक्ला)
कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

जी-14493/25

संपादकीय

क्यों.. सरकारी इमारतें बनीं जिंदा जाल

दिल्ली की घनी आबादी वाले इलाकों में आग से बचाव के इंतजाम पर सवाल तो पहले ही उठते रहे हैं, वहीं सरकारी इमारतों में पिछले दिनों जिस तरह की खामियां सामने आई हैं, वह चिंता का विषय है। गर्मियों के मौसम में यहां हर वर्ष आग लगने की घटनाएं होती हैं, लेकिन इन्हें रोकने के लिए न तो समन्वित उपाय किए जाते हैं और न ही नागरिकों को जागरूक किया जाता है। जब सरकारी विभाग ही लापरवाही बरतेंगे, तो कई मंजिला भवनों और व्यावसायिक इमारतों में जान-माल की सुरक्षा की क्या ही उम्मीद की जा सकती है। हाल ही में राजधानी की कई सरकारी इमारतें अग्नि सुरक्षा की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई। जांच के दौरान यही हाल सरकारी अस्पतालों में दिखा। क्या कोई इस तथ्य को गंभीरता से लेगा कि कुछ अस्पतालों और सरकारी भवनों को इसी आधार पर अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए या उनका नवीनीकरण नहीं किया गया, क्योंकि उनमें आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। ऐसा संभव नहीं कि इमारतों से संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों को अपनी कमियां दूर करने के लिए आगाह न किया गया हो। फिर भी लापरवाही बरती जा रही है, तो इसे गंभीरता लिया जाना चाहिए। दिल्ली के कुछ सरकारी भवन इतने पुराने हैं कि उनका मानकों पर खरा उतरना मुश्किल है। बावजूद इसके उन्हें अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलते रहे हैं, तो यह जांच का विषय होना चाहिए। लोकनायक अस्पताल में वैकल्पिक सीढ़ियां बंद पाई गई हैं। दुर्भाग्यवश कोई घटना होती है, तो इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है। हैरत की बात है कि आंबेडकर अस्पताल में वैकल्पिक निकास को स्थायी रूप से बंद पाया गया, यह जानते हुए भी कि रोज बड़ी संख्या में मरीज यहां आते हैं। आखिर इस तरह की लापरवाही के लिए कौन जवाबदेह है? दो वर्ष पहले राजधानी के एक नर्सिंग होम में आग लगने से छह नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी।

भारत के प्रतिनिधिमंडल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक बड़े बदलाव के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा कि अब आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ एक बार नहीं होगी, बल्कि ये एक नीति है। उन्होंने ये भी कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है और दुनिया को इसे समझना चाहिए। भारत ने ये भी कहा कि वो आतंकवाद के खिलाफ जो लड़ाई लड़ रहा है, वैसी ही लड़ाई पश्चिमी देश भी लड़ रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद का अड्डा बताया। मैंने देखा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल थोड़े निराश थे। कई देशों ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ सहानुभूति जताई और ये भी माना कि भारत को कार्रवाई करने का हक है। लेकिन, बहुत कम देशों ने पाकिस्तान की खुलकर निंदा की।

भारत, पाकिस्तान दोनों ने विदेश में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे... आखिर किसने जीती कूटनीतिक लड़ाई?

(वरुण शैलेश)

नई दिल्ली और इस्लामाबाद के प्रतिनिधिमंडल लंदन में मिले। दोनों पक्षों का लक्ष्य वैश्विक राय को प्रभावित करना था। भारत ने आतंकवाद को एक वैश्विक खतरा बताया और पाकिस्तान पर आरोप लगाए। पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे को उठाया और शांति की बात की। दोनों देशों के बीच विरोधाभास दिखा।

हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल दुनिया के कई देशों की राजधानियों में पहुंचे। उनका मकसद था कि वे अपनी बात रखें, लोगों की सहानुभूति जीतें और इस संकट के बाद की कहानी को अपने हिसाब से पेश करें। लंदन में हुई कुछ मुलाकातों को देखकर ऐसा लगा कि दोनों देशों के बीच राजनयिक जंग चल रही है। ये जंग ब्रीफिंग रूम, थिंक टैंक और प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रमों में हुई। इस दौरान जो बातें कही गईं और जो बातें नहीं कही गईं, दोनों ही बहुत कुछ बता रही थीं।

प्रतिनिधिमंडलों में फर्क था। भारत की तरफ से जो प्रतिनिधिमंडल आया था, उसमें सभी पार्टियों के सांसद थे। इससे ये पता चलता था कि भारत इस मुद्दे पर एकजुट है। इस प्रतिनिधिमंडल में रवि शंकर प्रसाद और पंकज सरन जैसे बड़े नेता शामिल थे। वहीं, पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल में ज्यादातर तकनीकी विशेषज्ञ और अनुभवी लोग थे, जैसे कि शेरी रहमान और बिलावल भुट्टो जरदारी। भारत का प्रतिनिधिमंडल एकजुट दिख रहा था, जबकि पाकिस्तान का मकसद था कि वो अपनी बात को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाए।

भारत के प्रतिनिधिमंडल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक बड़े बदलाव के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा कि अब आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ एक बार नहीं होगी, बल्कि ये एक नीति है। उन्होंने ये भी कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है और दुनिया को इसे समझना चाहिए। भारत ने ये भी कहा कि वो आतंकवाद के खिलाफ जो लड़ाई लड़ रहा है, वैसी ही लड़ाई पश्चिमी देश भी लड़ रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान को आतंकवाद का अड्डा बताया।

मैंने देखा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल थोड़े निराश थे। कई देशों ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ सहानुभूति जताई और ये भी माना कि भारत को कार्रवाई करने का हक है। लेकिन, बहुत कम देशों ने पाकिस्तान की खुलकर निंदा की। भारत के प्रतिनिधि अपनी बात को लेकर आश्वस्त थे, लेकिन उनकी बात करने का तरीका थोड़ा सख्त था। थिंक टैंक में उनकी बात करने का तरीका औपचारिक था, लेकिन प्रवासी भारतीयों के साथ उनकी बातचीत में ज्यादा गुस्सा था।

ज्यादातर लोगों ने भारत की बात को माना, लेकिन कुछ लोगों ने ये भी कहा कि भारत रूस के यूक्रेन पर हमले को एक साझा खतरा नहीं मानता है, लेकिन अब वो पाकिस्तान से होने वाले आतंकवाद पर दुनिया से समर्थन मांग रहा है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल कहां चूक गया- भारतीय प्रतिनिधिमंडल घरेलू कट्टरता के मुद्दे पर फंस गया। पता चला कि पहलगाम हमले के दो संदिग्ध भारतीय नागरिक थे। जब उनसे पूछा गया कि भारत सरकार युवाओं को हिंसा की तरफ जाने से कैसे रोकेगी, तो उन्होंने कहा कि 'आज हालात 1990 के दशक से बेहतर हैं।' ये एक मौका था कि भारत इस चुनौती को समझदारी से पेश करे, लेकिन वो चूक गया।

भारत के प्रतिनिधि पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध नहीं चाहते थे, लेकिन उनकी ज्यादातर बातें पाकिस्तान पर ही केंद्रित थीं। उन्होंने ये भी कहा कि उनका झगड़ा पाकिस्तान की सेना से है, वहां के लोगों से नहीं। लेकिन, सिंधु जल समझौते को रद्द करने के सवाल ने इस बात को मुश्किल बना दिया। कई ब्रीफिंग भारतीय उच्चायोग के अंदर हुईं। प्रवासी भारतीयों ने मुझसे शिकायत की कि उन्हें लगता है कि राजनीतिक पहुंच ज्यादातर भारतीय मूल के ब्रिटिश नेताओं तक ही सीमित थी। सुरक्षित खेलना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है, लेकिन इससे नए या संशय करने वाले लोगों तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल किससे मिला, कैसे रखी अपनी बात- पाकिस्तान ने अपनी बात को बहुत अच्छे से रखा। उनका प्रतिनिधिमंडल बड़े थिंक टैंक में गया और ये दिखाने की कोशिश की कि उन्हें गलत समझा जा रहा है। उन्होंने लॉबिंग करने वाली कंपनियों की मदद से यूरोपीय देशों के लिए एक कहानी बनाई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान बातचीत से शांति चाहता है। उन्होंने कश्मीर को 'विभाजन का अधूरा एजेंडा' बताया और आतंकवाद और पानी के मुद्दे को भी उठाया। पाकिस्तान ने कहा कि वो बातचीत करना चाहता है, पहलगाम हमले की निष्पक्ष जांच चाहता है और भारत पर सहयोग न करने या अपनी गलती साबित न करने का आरोप लगाया।

शांति की ये बात उनकी सैन्य सफलता के दावों और भारतीय नेताओं पर निजी हमलों के साथ मेल नहीं खाती थी। भारतीय मीडिया पर आरोप लगाने से उनकी बात में वजन आ सकता था, लेकिन उन्होंने कश्मीर पर कानूनी चालाकी, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों को गलत तरीके से पेश किया और ये भी कहा कि भारत ने बलूचिस्तान में आतंकवाद की जिम्मेदारी ली है। सिंधु जल समझौते पर उनकी बात सबसे ज्यादा असरदार रही। उन्होंने बताया कि अगर ये समझौता टूट गया तो क्या होगा। इससे लोगों पर असर पड़ा, भले ही अभी तक कोई बड़ा कदम नहीं उठाया गया है।

पाकिस्तान का मकसद क्या था?- एक बड़ा सवाल ये है कि पाकिस्तान का मकसद क्या था? अगर वो विदेशों में लोगों को अपनी बात समझाना चाहते थे, तो उन्होंने पुरानी गलत बातों का इस्तेमाल किया। इससे समझदार लोगों को उनकी बात पर विश्वास करना मुश्किल हो गया। अगर उनका मकसद घरेलू राजनीति करना था, तो उन्होंने विदेशों में लोगों से अच्छे से बात नहीं की।

भारत ने कहा कि सारा आतंकवाद पाकिस्तान से आ रहा है, जबकि पाकिस्तान ने कहा कि ये कश्मीर से आ रहा है। दोनों देशों की बातें बिल्कुल अलग थीं। ऐसा लग रहा था कि दोनों एक ही मुद्दे पर बात नहीं कर रहे हैं। घरेलू मीडिया के लिए ये एक अच्छा शो था, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं हुआ।

देशों की बातों में विरोधाभास साफ नजर आया- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों की राय बदलने में दोनों को मिली-जुली सफलता मिली। भारत को शायद ज्यादा सफलता मिली, क्योंकि आतंकवाद को एक वैश्विक खतरा बताना यूरोपीय देशों की सुरक्षा नीतियों से मेल खाता है। वहीं, पाकिस्तान चाहता था कि दूसरे देश भारत पर बातचीत करने का दबाव डालें, जो कि बहुत मुश्किल काम है। लेकिन, दोनों ही देशों की बातों में विरोधाभास था। भारत ने कहा कि उसकी रणनीति साफ है, लेकिन वो कश्मीर में घरेलू आतंकवाद के मुद्दे पर बात करने से बच रहा था। पाकिस्तान ने शांति की बात की, लेकिन वो अपनी जीत का जश्न मना रहा था और पुरानी बातों को दोहरा रहा था। कूटनीति में, जो बातें नहीं कही जाती हैं, वो भी बहुत कुछ कहती हैं। लंदन में पिछले हफ्ते, सबसे महत्वपूर्ण बात ये थी कि दोनों देशों ने क्या नहीं कहा, किस बात को अनदेखा किया या किसके लिए ये सब किया।

(लैडविग आईआईआई किंग्स कॉलेज लंदन के युद्ध अध्ययन विभाग में सीनियर लेक्चरर हैं)

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

(ललित गर्ग)

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है।

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमज़ोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए।

वर्ग पहेली 5766

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1923 को जन्में बॉलीवुड के एक महान पार्श्व गायक (3)
4. महात्मा गांधी ने केवल एक बार कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन की 1924 में यहां अध्यक्षता की (4)
8. अफसोस, रंग, पश्चाताप (3)
9. अटकल, आंकलन (4)
10. गेरूआ, केसरिया (3)
12. फतह, विजय (2)
14. अमानत में खयानत (3)
16. पास, निकट, नजदीक (3)
18. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
19. बांस की चटाई (3)
20. वेश, परिधान, नाट्य वेश, ग्रेत (2)
22. भाग्यशाली को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
23. अनलंकृत, फैशनहीन, सामान्य (2)
24. घण्टा (2)
25. लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष जो मध्यप्रदेश के राज्यपाल भी रह चुके है (5)

ऊपर से नीचे
1. सन 1960 से 1980 तक की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक (4)
2. कदरी, भगवान के भोग के निमित्त लगने वाले फलों में से एक (2)
3. कीटों का प्रकार, परवाना, पतंग (3)
4. यह मध्यप्रदेश में बहने वाली एक नदी है (3)
5. सौ हजार की संख्या (2)
6. गमनशील, प्रस्थानशील, सुत्वर (2)
7. मनुहार, मन्नत, मनौति, खुशामद (4)
11. निर्धन, कंगाल, जिसके पास धन न हो (3)
13. ईश्वर या खुदा को यह भी कहते है (5)
14. दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी तट पर स्थित देश जिसकी राजधानी जॉर्जटाउन है (3)
15. एक प्रकार विस्फोटक पदार्थ का बना गोला (2)
17. एक दिवंगत चरित्र अभिनेत्री (2)
19. समूह, गुट, फूल की पंखुडी (2)
20. एक प्रकार की शुष्क मेवा (3)
21. घर्षण, घिसघिसाहट (3)
23. अभाजित, कुल, तमाम, अविभक्त (2)
24. अंगून, किशमिश, द्राक्षा (2)

वर्ग पहेली 5765 का हल

अ	मे	रि	का		ब	हु	त
ति	ल	क	मो	द	द		भी
थि		मं		ती	रं	दा	ज
	सं	डे		ला	ग	त	
क		श	की	ल		ख्य	स्त
म	हा	न		ने	क		न
ब	ल		सह	ह		म	हा
ख्त		आ	ब	रू		स्त	र

अब निजी ब्रांड गढ़ रहा सोशल मीडिया

(दीपक गोयल)

सोशल मीडिया के अब कई सकारात्मक रूप सामने आ रहे हैं। मगर इसमें किसी भी प्रोडक्ट, सर्विस या पर्सनल ब्रांड को बनाना पेड़ लगाने या बच्चे को पालने जैसा काम है। यह एक दिन में नहीं बनता। इसको बनाने के लिए लगातार प्रयास चाहिए। प्रोडक्ट या सर्विस ब्रांड के बारे में तो सब जानते हैं, लेकिन यह पर्सनल ब्रांड क्या है? तो इसे यूं समझिए कि टाटा नमक एक प्रोडक्ट ब्रांड है, टाटा स्काई सर्विस ब्रांड और स्वयं रतन टाटा एक पर्सनल ब्रांड हैं। जैसे बहुत लोग मुझे इन्सेन्स मीडिया के नाम से जानते हैं और इन्सेन्स को मुझसे। ज्यादातर लोग पर्सनल ब्रांड को बिल्कुल आगे नहीं रखते और सिर्फ बिजनेस ब्रांड पर फोकस करते हैं। मगर आपका पर्सनल ब्रांड आपके बिजनेस को बहुत फायदा पहुंचा सकता है। गौर कीजिए, आज ब्रांड नरेंद्र मोदी से पूरी भाजपा की नैया पार लग रही है। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना अलग पर्सनल ब्रांड बनाया है।

कल मैं अहमदाबाद में था, एक मित्र ने कहा कि मैं एक सोशल मीडिया एजेंसी हायर कर रहा हूं अपने अगरबत्ती ब्रांड के प्रमोशन के लिए। मैंने पूछा, अच्छी बात है, लेकिन आपके ब्रांड को प्रमोट कैसे करना है, एजेंसी को आप कैसे समझाओगे? उन्होंने कहा, यह तो उसका (एजेंसी का) काम है, अपने आप करेगी। मैंने कहा, अपने बच्चे की परवरिश आया के हाथों करानी है या उसे खुद संभालना है, यह पूरी तरह से निजी और परिस्थितिजन्य मामला है। संभव है, आपके पास बिल्कुल समय न हो और आया ही आपके बच्चे को संभाले, लेकिन आया की परवरिश और आपकी परवरिश के आउटपुट में अंतर होगा।

लोग आपकी छोटी-छोटी गतिविधियों को मॉनिटर करते हैं। आपको महीनों-सालों तक ऑब्जर्व करते हैं, फिर आपके बारे में एक धारणा बनाते हैं, यह धारणा ही आपका पर्सनल ब्रांड है। आपको लगेगा कि कोई नोटिस नहीं कर रहा, लेकिन लोग आपके सोशल मीडिया अकाउंट को स्क्रॉल करते हैं, बगैर कोई प्रतिक्रिया दिए। फिर एक दिन वे आपसे कहेंगे, आपकी दो साल पहले की गई वह पोस्ट पढ़ी थी, तभी से आपके साथ जुड़ना चाहता था।

भारत में 140 करोड़ पर्सनल ब्रांड हैं। सवाल है, कौन इसे कैसे 'कैरी' करता है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ उद्योगपति, खिलाड़ी या अभिनेता-नेता ही पर्सनल ब्रांड हैं, आप अगर नौकरी भी करते हैं, तब भी आप एक पर्सनल ब्रांड हैं। एक से दूसरी संस्था में जाने पर वह संस्था आपके साथ नहीं जाती, आपका पर्सनल ब्रांड साथ जाता है। इसलिए अपने पर्सनल ब्रांड में निवेश कीजिए, यह अच्छा इन्वेस्टमेंट है। सोशल मीडिया तेजी से ऐसे ब्रांड गढ़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन आर्थिक और करियर के लिहाज से कुछ नए बदलाव लेकर आ सकता है। आपको आपको संतान पक्ष से आर्थिक सहयोग या प्रेरणा दिला सकती है। नौकरीपेशा लोग प्रमोशन या बोनस की चर्चा सुन सकते हैं। व्यवसाय में किसी नए क्लाइंट से डील हो सकती है।

मिथुन

आज भाग?य साथ देगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर ही निर्णय लें। आपकी ऊर्जा अधिक रहेगी, लेकिन मन अशांत हो सकता है। व्यापार में कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें। काम के सिलसिले में अत्यधिक व्यस्तता रहेगी, लेकिन अंतिम समय में कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

सिंह

आज योजनाएं सफल होंगी और आपके लिए आर्थिक दृष्टि से दिन शुभ है। आय में बढ़ोतरी होगी, विशेषकर वेतनभोगियों के लिए लाभ का दिन है। व्यापार में पुराने मित्र या सहयोगी से सहायता मिलेगी। मार्केटिंग, ब्रांडिंग और सोशल मीडिया से जुड़े लोग नए कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त कर सकते हैं।

वृष

आज शुक्र की शुभ दृष्टि से धन लाभ के संकेत मिल रहे हैं। कोई पुराना रुका हुआ पेमेंट प्राप्त हो सकता है। पार्टनरशिप व्यापार में स्थिरता आएगी और नए ग्राहक जुड़ सकते हैं। विदेशी स्रोतों से भी आय संभावित है। नौकरीपेशा लोग किसी वरिष्ठ की सहायता से एक नई ज़िम्मेदारी प्राप्त कर सकते हैं जिससे भविष्य में पदोन्नति के द्वार खुलेंगे।

कर्क

आज दिन शुभ है और आपके लिए लाभ के योग बने हैं। यदि कोई इंश्योरेंस, टैक्स रिफंड या पुराना निवेश है तो उससे लाभ मिल सकता है। व्यवसाय में गुप्त योजना या रिसर्च से जुड़ा कार्य फल देगा। आयात-निर्यात या कानूनी सलाह से जुड़े लोग प्रगति करेंगे।

कन्या

आज भाग्य साथ देगा। दिन आपकी सूझबूझ को परखने वाला है। आपको ऐसे कई कार्य मिल सकते हैं जहां एक साथ कई जिम्मेदारियों को निभाना होगा। बैंकिंग, बीमा, डाटा एनालिसिस, हेल्थकेयर या सरकारी सेक्टर से जुड़े लोग महत्वपूर्ण मीटिंग्स में रहेंगे।

तुला

आज धन लाभ के योग बन रहे हैं, विशेषकर यदि आप फैशन, डिजाइनिंग, कला या कंसल्टिंग से जुड़े हैं। साझेदारी के कार्यों में थोड़ी सावधानी बरतें, पर लाभ अवश्य होगा। किसी अनुभवी मित्र की सलाह से कोई रुका हुआ व्यापारिक काम दोबारा शुरू किया जा सकता है।

धनु

आज लाभ के योग बने हैं और आपको अचानक कोई लाभदायक प्रस्ताव या ऑफर प्राप्त हो सकता है। चंद्रमा की स्थिति आपको संपत्ति, वाहन या प्रॉपर्टी से लाभ दिला सकती है। गुरु की शुभ दृष्टि आपको बैंकिंग, शिक्षण, धार्मिक या सलाह देने वाले व्यवसायों में सफलता दिला सकती है।

कुंभ

आज दिन लाभ से भरा होगा और वित्तीय मामलों में मिश्रित लाभ होने की उम्मीद है। कुछ खर्चों में अचानक बढ़ोत्तरी हो सकती है, लेकिन साथ ही आय में भी वृद्धि के संकेत हैं। यदि आप स्वतंत्र पेशेवर, फ्रीलांसर या कंसल्टेंट हैं, तो नया क्लाइंट मिलने की संभावना है। फंडिंग, बीमा, एनजीओ या सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोग व्यस्त रहेंगे।

वृश्चिक

आज लोगों के लिए लाभ के योग बने हैं। आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, जिससे बॉस या वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई कॉल आ सकता है। चंद्रमा की पंचम स्थिति से रचनात्मक कार्यों में लाभ मिलेगा।

मकर

आज लाभ के योग बने हैं और आपको मान सम्मान की भी प्राप्ति होगी। व्यापार में विस्तार और स्थिरता का संकेत दे रही है। पुराने कस्टमर या क्लाइंट्स से दोबारा संपर्क होने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा जा सकता है, लेकिन आप उसे सफलता से निभाएंगे।

मीन

आज लाभ के योग बने हैं और आपके लिए आर्थिक उन्नति के योग बन रहे हैं। किसी पुराने निवेश से लाभ मिलेगा और सोशल नेटवर्क के ज़रिए नया बिजनेस अवसर भी प्राप्त हो सकता है। मेडिकल, सेवा, काउंसलिंग या कंसल्टेंसी से जुड़े लोग नाम और पैसा दोनों कमा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

120 किलो वजनी और 100 किमी की रेंज, वायुसेना को मिलेगा खास हथियार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना जल्द ही अपने फाइटर जेट्स को और घातक बनाने वाली है। वायुसेना एडवांस्ड स्वदेशी स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन (एसएएडब्लू) को अपने फाइटर जेट फ्लीट में लाने की प्लानिंग कर रही है, जिसमें सुखोई-30 एमकेआई भी शामिल है। रक्षा मंत्रालय में जल्द ही इस सैटेलाइट-गाइडेड ग्लाइड बम को लेकर चर्चा होने वाली है। डिफेंस सूत्रों के मुताबिक, यह हथियार 100 किलोमीटर की रेंज में टारगेट को पिनपॉइंट एक्यूरेसी के साथ हिट कर सकता है। इस तरह डिफेंस सेक्टर में भारत की बढ़ती ताकत पाकिस्तान और चीन के लिए चिंता बढ़ाने वाली है। एसएएडब्लू को डीआरडीओ के हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर ने डिजाइन और डेवलप किया है। यह 120 किलोग्राम वजनी और हाई-प्रिसिजन गाइडेड बम है, जिसे वर्ल्ड-क्लास वेपन सिस्टम्स में गिना जाता है। ये हथियार दुश्मन के एयरफील्ड असेट्स जैसे रडार, बंकर, टैक्सी ट्रैक और रनवे को तबाह करने में माहिर हैं। यह स्टैंड-ऑफ वेपन वैसा ही है, जैसा बालाकोट एयर स्ट्राइक में इस्तेमाल हुआ था। डीआरडीओ ने इसे इमरजेंसी प्रोक्योरमेंट के तहत डिफेंस फोर्सेस को ऑफर भी किया है, ताकि भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सेना को जल्दी से मुहैया किया जा सके। भारतीय वायुसेना अब लॉन्ग-रेंज स्टैंड-ऑफ वेपन सिस्टम्स पर फोकस कर रही है, जिसमें खास तरह की मिसाइलें और बम शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी आतंकी और मिलिट्री टारगेट्स के खिलाफ सफलता के बाद ऐसे हथियारों की मांग और बढ़ गई है। ऐसे में एसएएडब्लू भी डीआरडीओ के सफल प्रोजेक्ट्स में से एक है, जो भारतीय सेना को और मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। इस स्वदेशी स्मार्ट हथियार से हमारे फाइटर जेल और भी ज्यादा पावरफुल हो जाएंगे।

कुंडली में पति की हत्या का योग; राजा से पहले कहीं और तय हुई थी सोनम की शादी, पंडित जी ने बचा लिया

इंदौर, एजेंसी। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। अब पता चला है कि सोनम की शादी राजा से पहले कहीं और तय हुई थी लेकिन ज्योतिष ने कुंडली देखकर ऐसा कुछ कहा कि लड़केवालों ने ना कह दी। अब राजा रघुवंशी की हत्याकांड के बाद वह परिवार उन पंडित जी और ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं। परिवार के लोगों को कहना है कि अच्छा हुआ कि उन्होंने यह शादी नहीं की और बेटा बच गया। आरोप है कि सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करा दी। एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, अब वह परिवार भी सामने आया है जहां सोनम रघुवंशी की राजा से पहले शादी लगभग तय हो चुकी थी। दोनों परिवारों ने एक दूसरे को पंसद किया, लेकिन बात कुंडली पर जाकर अटक गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोनम की कुंडली जब एक ज्योतिष को दिखाई गई तो उन्होंने कहा कि इस लड़की के हाथ पति की हत्या का योग है। यह बात सुनने पर वह परिवार घबरा गया और कुछ बहाने बनाकर उन्होंने रिश्ते की बात वहीं खत्म कर दी। अब वह परिवार खुश है कि उनके लड़के की जान बच गई। सोनम मांगलिक है और उसकी शादी मांगलिक योग वाले राजा रघुवंशी से तय हुई थी। दोनों की शादी की बात रघुवंशी समाज की एक पत्रिका से शुरू हुई, जिसमें दोनों परिवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 11 मई को राजा और सोनम की शादी हुई थी। 10 दिन बाद ही दोनों हनीमून पर चले गए थे, जहां 23 मई को राजा की हत्या करके उसे खाई में फेंक दिया गया। 2 जून को उसकी लाश मिली थी। बाद में सोनम को पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उसने अपने कथित प्रेमी राज और उसके तीन दोस्तों के साथ मिलकर दूल्हे की हत्या करा दी। मेघालय में मारे गए ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की पूरी प्लानिंग को इंदौर के एक रेस्टोरेंट में अंतिम रूप दिया गया था। रेस्टोरेंट के मालिक ने तस्वीरों को देखकर उन्हें याद आया कि आरोपी अक्सर उनके रेस्टोरेंट में आया करते थे। बताया जा रहा है कि सोनम अक्सर यहां राज के साथ मिलने और वक्त बिताने आया करती थी। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि 16 मई को राज और अन्य आरोपियों ने यहीं बैठकर पूरी प्लानिंग की थी जबकि सोनम ससुराल से फोन पर जुड़ी हुई थी।

पंजाब में फिर घुसपैठ, तरनतारन में बीएसएफ ने पाकिस्तानी ना?गरिक को किया गिरफ्तार

जालंधर, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच पंजाब में फिर पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ हुई है। बीएसएफ ने पंजाब के तरनतारन में एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ की 103 बटालियन के जवान भारत-पाक सीमा के नजदीक स्थित गांव कलस के पास गश्त कर रहे थे, तो एक संदिग्ध व्यक्ति भारतीय क्षेत्र में दाखिल होता दिखाई दिया। बीएसएफ की ओर से आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी दी गई लेकिन वह आगे बढ़ता रहा। इस दौरान बीएसएफ जवानों ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए पाकिस्तानी नागरिक की उम्र करीब 28 से 30 साल के बीच बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिरासत में लेने के बाद बीएसएफ के अलावा अन्य विभिन्न एजेंसियां पाकिस्तानी से पूछताछ कर रही हैं। जानकारी मिली है।

जिस महिला का तीन महीने पहले हो चुका मर्डर, कांग्रेस ने उसे बनाया प्रदेश सचिव; चहुंओर किरकिरी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में कांग्रेस ने युवा कांग्रेस की नई प्रदेश और जिला स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया है। इस कार्यकारिणी की जो लिस्ट कांग्रेस ने जारी की है, उसकी अब हर तरफ किरकिरी हो रही है। दरअसल, इस लिस्ट में रोहतक से कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता हिमानी नरवाल का नाम बतौर प्रदेश सचिव दिखाया गया है, जबकि उसकी हत्या तीन महीने पहले ही एक मार्च 2025 को हो चुकी है। हिमानी की मौत कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुई है। यह सारी प्रक्रिया ऑनलाइन हुई है। हिमानी कांग्रेस पार्टी की एक एक्टिव कार्यकर्ता थी। उन्होंने संगठन चुनाव के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था और ऑनलाइन वोटिंग प्रक्रिया से उसे इस पद के लिए चुना गया है लेकिन ये लिस्ट अब प्रकाशित हुई है। ऐसे में सवाल ये उठता है कि अपनी जिस कार्यकर्ता की हत्या पर बवाल मचा था, क्या हाईकमान को ये भी याद नहीं? हिमानी नरवाल हत्याकांड में पुलिस आरोपी सचिन उर्फ ढिल्लू को गिरफ्तार कर चुकी है और इतना ही नहीं, कोर्ट में उसके खिलाफ 250 पेज की चार्जशीट तक दाखिल कर चुकी है।

भाजपा बोली, भद्दा मजाक, शर्मनाक कांग्रेस : इस ब्लंडर से प्रदेश में राजनीति तेज हो गई है। भाजपा ने इस मामले में कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा है, कांग्रेस की नीति और नेतृत्व और संवेदनहीन हो चुका है। कांग्रेस को अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं की स्थिति की कोई जानकारी नहीं है। पहले स्वर्गवासी रघबीर सैनी को बैठक में बुलाया और अब मृतक हिमानी नरवाल को प्रदेश सचिव बनाकर उसका भद्दा मजाक बनाया है। शर्मनाक कांग्रेस।

कौन थी हिमानी नरवाल : हिमानी नरवाल रोहतक से कांग्रेस की सक्रिय कार्यकर्ता थी। हरियाणा में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उनके साथ तस्वीर वायरल होने से वह चर्चा में आई थी। एक मार्च 2025 की सुबह हिमानी नरवाल का शव रोहतक जिला के सांपला बस स्टैंड के पास बंद सूटकेस में मिला था। उसके गले पर चुन्नी लिपटी हुई मिली थी। इस हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने इस हत्याकांड में झज्जर जिला के खैरपुर गांव के सचिन उर्फ ढिल्लू को गिरफ्तार किया था।

पुलिस जांच में ये सामने आया कि सचिन की हिमानी नरवाल के साथ फेसबुक के जरिए दोस्ती हुई थी। इसके बाद वह हिमानी के घर आता रहता था। 27 फरवरी को हिमानी ने ही मोबाइल फोन पर कॉल कर सचिन को अपने घर बुलाया था। दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। वह रात को हिमानी के घर पर ही रुक गया था। अगले दिन 28 फरवरी को सचिन ने मोबाइल फोन के चार्जर की तार से हिमानी की हत्या कर दी थी। बाद में वह हिमानी के घर में रखे सूटकेस में ही उसका शव डालकर ले गया था और सांपला बस स्टैंड के नजदीक फेंक दिया था।

अनुकंपा नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, दिवंगत कमिश्नर के बेटे को नहीं मिलेगी नौकरी

नईदिल्ली, एजेंसी। अनुकंपा नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। मंगलवार को शीर्ष न्यायालय ने एक से ज्यादा घर और कई एकड़ जमीन वाले एक युवक को पिता के बाद नौकरी देने से इनकार कर दिया है। याचिकाकर्ता उसके पिता के निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति चाह रहा था। शीर्ष न्यायालय पहले भी यह कहता रहा है कि अनुकंपा नियुक्ति को अधिकार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। साथ ही ऐसी नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का जरूरी मानदंडों को पूरा करना अनिवार्य है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने याचिकाकर्ता रवि कुमार जेफ के पिता सेंट्रल एक्साइज में प्रधान आयुक्त थे। अगस्त 2015 में उनका निधन हो गया था। जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस मनमोहन ने याचिका खारिज कर दी है। खास बात है कि याचिकाकर्ता के पिता दो घर, 33 एकड़ जमीन और 85 हजार रुपये परिवार को मासिक पेंशन छोड़ गए हैं। राजस्थान हाईकोर्ट और सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल की तरफ से रवि की अनुकंपा नियुक्ति की याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने डिपार्टमेंट के इस दावे को बरकरार रखा कि परिवार के पास सुविधाओं के साथ रहने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। खबर है कि विभागीय समिति ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए 19 आवेदकों के नाम पर विचार किया था।

जनता उन्हें पसंद करती है जो काम करते हैं, न कि उन्हें जो निष्क्रिय रहते हैं : एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को अपने प्रतिद्वंद्वी और शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोला। शिंदे ने कहा कि लोग मेहनती लोगों का समर्थन करते हैं, न कि उनका जो घर में निठल्ले बैठे हैं और फेसबुक लाइव के जरिए लोगों से बात करते हैं। नासिक में आयोजित एक कार्यक्रम में शिंदे चार पूर्व पार्षदों को अपनी पार्टी में शामिल कराने पहुंचे थे। ये सभी पार्षद उद्धव गुट छोड़कर अब शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में आ गए हैं। इसी मौके पर बोलते हुए शिंदे ने इशारों-इशारों में उद्धव पर तंज कसा कि 2022 में बनी सरकार ने आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से दूर रहकर सिर्फ काम पर ध्यान दिया। इसलिए जनता उन्हें पसंद करती है जो काम करते हैं, न कि उन्हें जो निष्क्रिय रहते हैं।

उद्धव पर क्या आरोप लगाए : कोरोना काल के दौरान उद्धव ठाकरे पर यह आरोप बार-बार लगाया गया था कि वे मुख्यमंत्री रहते हुए भी लोगों के बीच नहीं आए और सिर्फ सोशल मीडिया के जरिए लोगों से जुड़ते रहे। शिंदे समर्थक इसी मुद्दे को चुनावी और राजनीतिक हमले के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। शिंदे ने मंच से कहा, हम बालासाहेब ठाकरे और आनंद दीघे के विचारों और विकास के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। जो पार्षद आज हमारे साथ आए हैं, वे असल में अपने घर लौटे हैं। पिछली बार आप सभी का चुनाव चिह्न धनुष-बाण था, अब फिर वही आपके पास है। बता दें कि जून 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत से शिवसेना में बड़ा विभाजन हुआ था। इसी बगावत के चलते महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई और शिंदे, भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने।जबकि शिंदे और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

हिमाचल के माता चिंतपूर्णी मंदिर में मारपीट

ऊना, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के माता चिंतपूर्णी मंदिर से सुरक्षा कर्मी और पुजारी के बीच हाथापाई का मामला सामने आया है। घटना गर्भगृह में प्रसाद चढ़ाने के दौरान घटी है। पुजारी द्वारा आरोप लगाया गया है कि प्रसाद चढ़ाने के दौरान सुरक्षाकर्मी ने पुजारी के साथा हाथापाई की, उसे थप्पड़ जड़े और धक्का-मुक्की भी करी। सीसीटीवी में घटना का पूरा मामला कैद हो गया है। जानकारी के मुताबिक जिस समय यह घटना घटी, उस वक्त गर्भगृह में श्रद्धालु भी मौजूद थे। दोनों के बीच होती हाथापाई को देखकर हर कोई हैरान हो उठा। कुछ अन्य लोग भयभीत भी हो गए, लेकिन तभी मौके पर मौजूद अन्य पुजारियों ने सुरक्षाकर्मी को रोका और मारपीट को शांत कराया। बताया गया है कि आरोपी सुरक्षाकर्मी को हटा दिया गया है। मंदिर में लगे सीसीटीवी में दिखाई देता है कि पुजारी श्रद्धालुओं को माता को चढ़ाया हुआ प्रसाद दे रहे थे, तभी सुरक्षाकर्मी आया और दोनों के बीच कुछ बात हुई। हल्की सी कहासुनी शुरू हो गई। इस बीच वीडियो में पुजारी सुरक्षाकर्मी के ऊपर जल की छींटें मारता हुआ भी दिखाई देता है। इसके बाद दोनों में हाथापाई शुरू हो गई। सुरक्षाकर्मी ने पुजारी को पकड़कर थप्पड़ बरसाना शुरू कर दिया। लड़ाई होते देख वहां मौजूद पुजारियों ने दोनों को अलग किया और तब जाकर मामला शांत हुआ।

ईरान में फंस गए कर्नाटक के अलीपुर गांव के 100 से ज्यादा लोग, एक दर्जन से ज्यादा कर रहे थे डॉक्टरी की पढ़ाई

चिकबलपुर, एजेंसी। इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच कई भारतीय नागरिक ईरान में फंसे हुए हैं। इनमें से 100 से ज्यादा लोग कर्नाटक के चिकबलपुर जिले के अलीपुर गांव से हैं। यह गांव मुख्य रूप से शिया मुस्लिमों का गांव है। इनमें छात्र, परिवार और कामकाजी पेशेवर शामिल हैं, जो शिक्षा, व्यवसाय और धार्मिक गतिविधियों के लिए ईरान गए थे। तेहरान में दूतावास और कर्नाटक में स्थानीय सरकारी अधिकारियों के साथ भारतीय अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और क्षेत्र में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए इंतजाम में सहयोग कर रहे हैं।

नवीनतम मतदाता सूची के अनुसार, अलीपुर लगभग 25,000 लोगों की आबादी वाला गांव है जिसमें 8,000 से 8,500 मतदाता हैं। यहां हिंदुओं की आबादी भी है, लेकिन लगभग 90 प्रतिशत निवासी मुस्लिम हैं जो मुख्य रूप से शिया समुदाय से हैं। यह गांव ईरान के साथ अपने गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों के लिए जाना जाता है, जो इसे धर्म से जुड़े एवं चिकित्सा अध्ययन के लिए एक आम गंतव्य बनाता है।

अलीपुर में मस्जिद-ए-जाफरिया के इमाम मौलाना सैयद मोहम्मद यूशा अबेदी ने कहा, 'हमारे अलीपुर के कुछ छात्र वर्तमान में ईरान में पढ़ाई कर रहे हैं।' अबेदी ने कहा, 'कोम में लगभग 50 लोग हैं और लगभग 15 छात्र तेहरान में एमबीबीएस कर रहे हैं। अन्य 25 से 30 लोग

कोम और मशहद जैसे शहरों में व्यवसाय में शामिल हैं। कुल मिलाकर अलीपुर के लगभग 100 लोग वर्तमान में ईरान में हैं, जिनमें परिवार और बच्चे शामिल हैं।' हाल में इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान के विभिन्न शहरों में रहने वाले अलीपुर के अधिकतर निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाया गया है। इमाम ने कहा, 'भारतीय दूतावास संपर्क में है और दूतावास ने इनमें से कई को तेहरान से कोम में स्थानांतरित करने में मदद की है।' ईरान में बीडीएस की छात्रा हबीबे जहरा के पिता सैयद अबू ताहिर ने कहा, 'वे अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और हमें उम्मीद है कि सभी सुरक्षित लौट आएंगे।' ताहिर ने कहा, 'मेरी बेटी 2024 से वहां बीडीएस की पढ़ाई कर रही है और लड़कियों के छात्रावास में रह रही है। वहां सब कुछ ठीक है, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए हम डरे हुए हैं। हमने स्थानीय अधिकारियों को पहले ही सूचित कर दिया है और विकास सौध (कर्नाटक राज्य सचिवालय) के एक अधिकारी ने भी हमसे संपर्क किया है। वे इस स्थिति में हमारा समर्थन कर रहे हैं।' मूल रूप से अलीपुर के निवासी सकलेन अब्बास बेंगलुरु में कॉलेज में अपने बेटे के दाखिले के लिए 20 दिन पहले भारत लौटे थे। हालांकि, उनकी पत्नी और दो बच्चे ईरान में ही हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी पत्नी ईरान में फंसी हुई हैं।

आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 12 अलग-अलग केसों में अंतिम निर्णय पर रोक

प्रयागराज, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जबरदस्ती बेदखली मामले में आजम और कई अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज 12 प्राथमिकियों के समेकित मुकदमे में अंतिम आदेश पारित करने पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने सह आरोपी मोहम्मद इस्लाम उर्फ इस्लाम ठेकेदार और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने इस मामले पर तीन जुलाई को नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि अधीनस्थ न्यायालय में सुनवाई जारी रहेगी। हालांकि तीन जुलाई को होने वाले सुनवाई तक कोई अंतिम आदेश पारित नहीं किया जाएगा।

मामला 15 अक्टूबर, 2016 की कथित घटना से जुड़ा है, जिसमें यतीम खाना (वक्फ संख्या 157) नाम से अनाधिकृत ढांचे को ध्वस्त किया गया

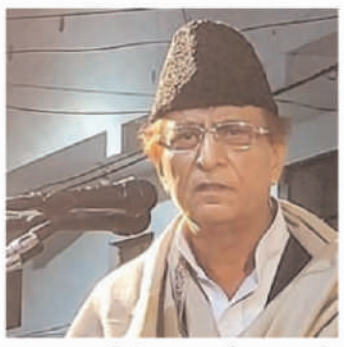

था। इस मामले में 2019 और 2020 के बीच रामपुर जिले के कोतवाली थाना में 12 प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं। शुरुआत में इन प्राथमिकियों को लेकर अलग-अलग मुकदमे चलाए गए, जिन्हें रामपुर जिले के विशेष न्यायाधीश (सांसद-विधायक) द्वारा आठ अगस्त 2024 को समेकित कर दिया गया। मामले में शामिल सभी आरोपियों पर तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत डकैती, घुसपैठ और आपराधिक षड़यंत्र के आरोप हैं। अदालत ने 11 जून को याचिकाकर्ताओं के वकील की दलीलें सुनने के बाद यह निर्णय दिया और कहा कि अधीनस्थ न्यायालय जून महीने के भीतर ही मुकदमा निस्तारित करने के लिए संकल्पबद्ध है, जिससे प्रक्रियात्मक निष्पक्षता के बारे में आशंका पैदा होती है। इस मामले से जुड़ी एक घटना में आजम खान और उनके साथी वीरेंद्र गोयल द्वारा दायर याचिका पर आज (बुधवार को) सुनवाई होनी है। याचिका में अधीनस्थ न्यायालय के 30 मई, 2025 के निर्णय को चुनौती दी गई है, जिसमें सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जफर अहमद फारुकी सहित प्रमुख गवाहों को बुलाने और 2016 के बेदखली की घटना का वीडियोग्राफिक साक्ष्य पेश कराने का अनुरोध खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि इस साक्ष्य से फारुकी घटनास्थल पर अपनी अनुपस्थिति साबित कर सकेंगे।

भाजपा में शामिल हुए सुधाकर बडगुजर, पार्टी ने इन्हीं पर लगाया था दाऊद गैंग से संबंध का आरोप

नासिक, एजेंसी। भाजपा ने मंगलवार को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नासिक इकाई के पूर्व प्रमुख सुधाकर बडगुजर को पार्टी में शामिल कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि पिछले साल बीजेपी ने खुद बडगुजर पर 1993 के बम धमाकों के दोषी और दाऊद गैंग के सदस्य सलीम कुत्ता के साथ पार्टी करने के आरोप लगाए थे। उस वक्त महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे देवेंद्र फडणवीस ने इन कथित गैंगस्टर लिंक की जांच के लिए एसआईटी बनाने की घोषणा की थी।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी विधायक नितेश राणे ने विधानसभा में बडगुजर के खिलाफ ये मुद्दा उठाया था और उनकी सलीम कुत्ता के साथ पार्टी करते हुए कथित तस्वीरें भी पेश की थीं। शिवसेना के नेता दादा भुसे ने भी इस मामले पर सवाल उठाए थे। कुछ हफ्ते पहले शिवसेना ने सुधाकर बडगुजर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था, क्योंकि अटकलें लग रही थीं कि वे बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। दो हफ्ते पहले बडगुजर ने देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। हालांकि, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने पहले दावा किया था कि उन्हें बडगुजर की पार्टी में एंट्री की कोई जानकारी नहीं है। लेकिन मंगलवार दोपहर 3.30 बजे जब बडगुजर अपने

समर्थकों के साथ मुंबई स्थित बीजेपी कार्यालय पहुंचे, तो उनका जोरदार स्वागत खुद बावनकुले, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन ने किया। इस दौरान शिवसेना-बीजेपी सरकार में मंत्री रहे बाबनराव घोलप भी बडगुजर के साथ बीजेपी में शामिल हुए। बीजेपी के नासिक इकाई में इस फैसले को लेकर असंतोष दिखाई दिया। नासिक के बीजेपी जिला अध्यक्ष सुनील केदार खुद बडगुजर की एंट्री के खिलाफ थे। उन्होंने हालांकि कार्यक्रम में भाग लिया, लेकिन नासिक पश्चिम की बीजेपी विधायक सीमा हिराय, जिनके खिलाफ बडगुजर ने चुनाव लड़ा था, वह इस कार्यक्रम से दूर रहीं। प्रदेश अध्यक्ष बावनकुले ने इस मौके पर कहा, हर एक एंट्री पार्टी के विकास के लिए होती है।

राजस्थान में अब नेताओं की नहीं, ब्लॉक और मंडल की सिफारिशों पर चलेगी कांग्रेस

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में कांग्रेस संगठन ने युवाओं को पार्टी में ज्यादा भागीदारी देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने आगामी शहरी निकाय और पंचायतीराज चुनावों में 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के युवाओं को देने का फैसला लिया है। यह फैसला कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर लिया गया है, जिसे अब राजस्थान प्रदेश कांग्रेस लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने साफ कर दिया है कि स्थानीय चुनावों में अब युवा चेहरों को आगे लाया जाएगा। यही नहीं, टिकट वितरण का पुराना फार्मूला भी बदला जा रहा है। अब टिकट तय करने में सिर्फ प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं की राय ही अंतिम नहीं होगी, बल्कि जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों की सिफारिश को भी प्रमुखता दी जाएगी।

फील्ड से तय होंगे उम्मीदवार : कांग्रेस संगठन अब बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक नई राजनीतिक सोच के साथ आगे बढ़ने की योजना पर काम कर रहा है। जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर पर सक्रिय कांग्रेस नेताओं को नए और ऊर्जावान चेहरों की पहचान करने का जिम्मा सौंपा गया है, जिन्हें चुनावी राजनीति के लिए तैयार किया जाएगा। डोटासरा ने कहा, हमने संगठन में युवाओं को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में स्पष्ट रणनीति तैयार की है।

पार्टी का मानना है कि राजनीति में नई ऊर्जा और सोच लाने के लिए युवाओं को आगे लाना जरूरी है।

पार्षद से लेकर मेयर-प्रमुख तक अब युवा चेहरों की बारी : राजस्थान में नगरपालिकाओं, नगर परिषदों और नगर निगमों के चुनावों में पार्षदों के साथ अध्यक्ष, सभापति और मेयर के चुनाव होते हैं। वहीं, पंचायतीराज संस्थाओं में जिला प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य, प्रधान, सरपंच और वार्ड पंच जैसे पदों के लिए चुनाव होते हैं। सरपंच और वार्ड पंच के अलावा सभी चुनाव राजनीतिक दलों के सिंबल पर लड़े जाते हैं। ऐसे में 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के युवाओं को देने से पार्षद से लेकर चेयरमैन और प्रमुख तक कई पदों पर युवा नेतृत्व सामने आएगा। टिकट बंटवारे का नया सिस्टम अब तक टिकट तय करने की प्रक्रिया में प्रदेश चुनाव समिति के नेता ही अंतिम निर्णय लेते थे। लेकिन अब जिला और ब्लॉक स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों की राय को भी महत्वपूर्ण माना जाएगा। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ेगी और ग्रासरूट पर मजबूत संगठन खड़ा किया जा सकेगा। 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की वजह से फिलहाल देरी राज्य सरकार ने वन स्टेट-वन इलेक्शन की नीति के तहत निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने की घोषणा की है। करीब 7,000 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो चुका है और वहां प्रशासक लगाए गए हैं। शहरी निकायों में भी प्रशासक नियुक्त किए जा चुके हैं।

दिग्गज प्लेयर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुआ प्रभावित

अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन में 14 साल की उम्र में कदम रखते हुए हैरान कर दिया और इसके बाद सबसे तेज शतक लगाकर बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपने कोशल से मुरीद बना लिया। सूर्यवंशी ने 206 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से सिर्फ सात पारियों में 252 रन बनाए। जिसमें गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में शतक भी शामिल था। सूर्यवंशी की इस प्रतिभा से इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जोस बटलर प्रभावित हुए हैं जोकि उस दिन गुजरात के विकेटकीपर थे।

बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी बहुत ही शानदार थी। हमारी (जीटी) गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, शानदार अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, प्रसिद्ध कृष्णा, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, राशिद खान, सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज शामिल हैं और उन्होंने (सूर्यवंशी) बड़े छक्के लगाए। उन्होंने कुछ मैचों के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक पारी खेली, मैं टीवी पर देख रहा था। इस्त्य के पास आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने धमाकेदार पारी खेली! और फिर उन्होंने एक शॉट कवर पर मारा, जैसे मैं इतना नियंत्रण में हूं, मैं बस एक शॉट खेलूंगा। उस पल, मुझे लगा कि यह खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी है। मैं बहुत हैरान था। बटलर ने कहा, वास्तव में उन्होंने आईपीएल में अपनी पहली गेंद पर छक्का मारा। उन्होंने खुद को थोड़ी जगह दी और गेंद को लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया। उनमें निडरता थी। बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं, वे लगभग एक बयान देना चाहते हैं, जैसे कि मुझे देखो। हमें उनसे यह पूछने की कोशिश करनी होगी कि ऐसा होने से कितने समय पहले आपने सोचा था कि मैं अपनी पहली गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करूंगा। क्योंकि यह एक पूर्व-निर्धारित शॉट था। उन्होंने इसकी तलाश की। लोगों ने उन्हें इस अद्भुत बल्ले के साथ देखा है। यह युवराज सिंह या ब्रायन लारा की तरह एक बड़ा बयान है। गौर हो कि सूर्यवंशी को इंग्लैंड में आगामी टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया है और यदि उन्हें मौका मिलता है तो उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर होगी।

भारत 2026 महिला टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका के साथ एक ग्रुप में

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत को 2026 महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और दो अज्ञात क्वालीफाइंग टीमों के साथ रखा गया है, जो 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। 24 दिनों तक चलने वाले टूर्नामेंट के दसवें संस्करण की शुरुआत 12 जून को एजबस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मुकाबले से होगी। एजबस्टन के अलावा हैम्पशायर बाउल, हेडिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, द ओवल, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड और लॉर्ड्स अन्य टूर्नामेंट स्थल हैं।

एजबस्टन में ही भारत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान का पहला मैच खेलेगा, उसके बाद 17 जून को हेडिंग्ले में क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ खेलेगा। भारत 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा और फिर 25 जून को उसी स्थान पर एक अन्य क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ खेलेगा। भारत का ग्रुप चरण 28 जून को लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर कई बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक बड़े मुकाबले के साथ समाप्त होगा। इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने एक बयान में कहा, विश्व कप हमेशा खास होते हैं, लेकिन यह पहले से ही अलग लग रहा है - इसमें वास्तव में खेल को बदलने की क्षमता है। यह हमारे खेल के लिए एक बड़ा क्षण होने जा रहा है और युवाओं को प्रेरित करने और देश भर के प्रशंसकों को लुभाने का एक शानदार अवसर है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ, सबसे बड़े पुरस्कार के लिए घरेलू धरती पर खेलना, इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता।

मैं इसका हिस्सा बनने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। यह अब तक खेले गए सबसे बड़े आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का भी प्रतीक होगा, जिसमें 12 टीमें प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो वर्तमान में न्यूजीलैंड के पास है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के अलावा, ग्रुप 2 में श्रीलंका, वेस्टइंडीज और अन्य दो टीमें शामिल हैं, जो अगले साल होने वाले वैश्विक क्वालीफायर से आएंगी।

प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 30 जून और 2 जुलाई को ओवल में होगा, जबकि 5 जुलाई को लॉर्ड्स में ग्रैंड टाइटल मुकाबला होगा। आईसीसी ने कहा कि लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल के लिए प्राथमिकता वाली टिकटें 24 घंटे में बिक गई, जबकि सभी मैचों के टिकट अब पहले से पंजीकृत प्रशंसकों के लिए बिक्री पर हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप हमें खेल उत्कृष्टता के एक महीने को एक ऐसे आंदोलन में बदलने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है जो महिला क्रिकेट के बारे में कहानी को फिर से लिखेगा।

टूर्नामेंट निदेशक बेथ बैरेट-वाइल्ड ने कहा, देश भर के प्रतिष्ठित स्थलों पर, हम अविश्वसनीय, विश्व स्तरीय एथलीटों को सैकड़ों हजारों प्रशंसकों के सामने प्रतिस्पर्धा करते हुए देखेंगे, जो हर गेंद और रन के साथ स्थायी बदलाव में योगदान देंगे। यह महिला क्रिकेट और महिला खेल को वह मंच देने का हमारा अवसर है, जिसका वह हकदार है।

क्लब विश्व कप: इंटर मिलान और मॉन्टेरी का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ

नई दिल्ली, एजेंसी। एफसी इंटरनैजियोनेल मिलानो और सीएफ मॉन्टेरी ने बुधवार (आईएसटी) को रोज बाउल में 1-1 से बराबरी के साथ फीफा क्लब विश्व कप 2025 अभियान की शुरुआत की। दोनों टीमें रिवर प्लेट से दो अंक पीछे हैं, जो सिएटल में उरावा रेड डायमंड्स के खिलाफ 3-1 से विजयी रही थी।

इंटर ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन मॉन्टेरी को कप्तान सर्जियो रामोस ने 25वें मिनट में कॉर्नर किक से गोल करके टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। 39 वर्षीय पूर्व रियल मैड्रिड स्टार ने इंटर सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बस्तोनी को पछाड़कर गोलकीपर यान सोमर को छकाते हुए हेडर से गोल किया। इसके बाद 42वें मिनट पर लौटारो मार्टिनेज ने गोल के साथ इंटर को मुकाबले में 1-1 से बराबरी पर ला दिया। 64वें मिनट में मॉन्टेरी ने उस समय बढ़त लगभग हासिल कर ही ली थी, जब सर्जियो कैनालेस का लॉन्ग-रेंज प्रयास सोमर के गोल के बाएं

पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद यह मुकाबला कुल दो गोलों के साथ ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अब दोनों टीमें शनिवार 21 जून को टूर्नामेंट का अपना दूसरा मैच खेलेंगी। रोज बाउल में मॉन्टेरी का सामना रिवर प्लेट से होगा, जबकि लुमेन फील्ड में इंटर का सामना उरावा रेड्स से होगा।

ग्रुप-ई की प्वाइंट्स टेबल को देखें, तो रिवर प्लेट तीन अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि मॉन्टेरी दूसरे और इंटर तीसरे पायदान पर मौजूद है। उरावा रेड्स फिलहाल चौथे स्थान पर है, जिसने अपना पहला मैच गंवाया है। क्लब विश्व कप में कुल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार टीमों के ग्रुप में बांटा गया है।

इस टूर्नामेंट में कुल 63 मैच खेलने जाने हैं। आठ समूहों से शीर्ष दो-दो टीमें नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। यह मुकाबले अमेरिका के 12 वेन्यू पर खेले जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट से होने वाली कमाई को क्लब फुटबॉल के विकास में लगाया जाना है।

बांग्लादेश वर्सेस श्रीलंका:

मुशफिकुर रहीम की ऐतिहासिक पारी, टेस्ट में 7वीं बार जड़े 150+ रन, गेल, वॉर्नर, पुजारा, अजहर और रिचर्ड्स के क्लब में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेशी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 18 जून 2025 को विवियन रिचर्ड्स, मोहम्मद अजहरुद्दीन, चेतेश्वर पुजारा, क्रिस गेल, डेविड वॉर्नर और जस्टिन लैंगर जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हुए। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन बारिश के चलते खेल रोके जाने तक मुशफिकुर रहीम 159 रन बना चुके थे, जबकि बांग्लादेश का स्कोर 423/4 (130.2) था।

इस दौरान मुशफिकुर रहीम ने 325 गेंद का सामना करते हुए 9 चौके भी जड़े। मुशफिकुर रहीम की शानदार पारी के दम पर बांग्लादेश विशाल स्कोर की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। टेस्ट करियर में ऐसा 7वीं बार है, जब मुशफिकुर रहीम ने 150 रन

का आंकड़ा पार किया हो। इससे पहले मुशफिकुर रहीम श्रीलंका के खिलाफ 200 रन (मार्च 2013), न्यूजीलैंड के खिलाफ 159 रन (जनवरी 2017), जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 219 (नवंबर 2018), जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 203 (फरवरी 2020), श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 175 (मई 2022) और पाकिस्तान के खिलाफ 191 रन (अगस्त 2024) की पारी खेल चुके हैं।

जसप्रीत बुमराह ने पुष्टि की

BCCI मुझे टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, मैंने इनकार कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद भारत की टेस्ट कप्तानी जसप्रीत बुमराह को मिलने की खबरें थी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है।

क्या इस बारे में बुमराह से पूछा गया, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही थी और अब इस पर खुद बुमराह ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि बीसीसीआई उन्हें टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में जसप्रीत बुमराह ने बताया कि वह टेस्ट कप्तान क्यों नहीं बने। पीठ की बार-बार चोट लगने के कारण बुमराह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल सकते हैं। वह इंग्लैंड में केवल तीन मैच ही खेल पाए थे। इसलिए उन्होंने इस

दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम इंडिया को नुकसान न हो। जसप्रीत बुमराह ने एक इंटरव्यू में दिनेश कार्तिक को बताया, इसमें कोई आकर्षक कहानी नहीं है, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइनिंग बयान नहीं है, या मुझे बर्खास्त कर दिया गया या मेरी देखभाल नहीं की गई।

आईपीएल के दौरान रोहित और विराट के रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने कार्यभार के बारे में बात की थी। मैंने बीसीसीआई को फोन किया और उनसे कहा कि मैं नेतृत्व की भूमिका में नहीं देखा जाना चाहता।

बुमराह ने कहा, मैंने उन लोगों से बात की थी जिन्होंने मेरी पीठ (चोट) का इलाज किया था, जिसमें सर्जन भी शामिल थी। उन्होंने हमेशा मुझे बताया था कि मुझे कार्यभार के बारे में कितना होशियार रहना है। इसलिए, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा होशियार होना होगा। मैं सभी टेस्ट मैच नहीं खेल पाऊंगा। फिर बीसीसीआई मुझे नेतृत्व की भूमिका के लिए देख रहा था। लेकिन मैंने कहा कि यह टीम के लिए उचित नहीं है। आप पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए एक कप्तान और तीन या दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अलग कप्तान नहीं रख सकते।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट:

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में इन 3 खिलाड़ियों का प्लेइंग 11 से बाहर होना तय

नई दिल्ली, एजेंसी। 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू हो रही भारत की पांच मैचों की टेस्ट सीरीज इंग्लैंड दौरे के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट के एक नए युग की शुरुआत होगी. रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के टेस्ट से संन्यास के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम बिना इन तीनों खिलाड़ियों के इंग्लैंड का दौरा कर रही है. शुभमन गिल के नेतृत्व में और गौतम गंभीर की कोचिंग में यह युवा टीम नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की मजबूत शुरुआत करना चाहेगी. 18 सदस्यीय टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को इंग्लैंड की परिस्थितियों और टीम संयोजन को देखते हुए प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना पड़ सकता है. ऐसे में आइए उन 3 खिलाड़ियों के बारे में बताते हैं जिनका इंग्लैंड में खेलना मुश्किल दिख रहा है.

अभिमन्यु ईश्वरन- करना पड़ सकता है इंतजार

घरेलू क्रिकेट और इंडिया ए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले अभिमन्यु ईश्वरन एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह मिलने के बावजूद प्लेइंग इलेवन से बाहर रह सकते हैं.हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 80 रन की पारी खेली थी, जो उनका इंडिया ए के लिए सातवां अर्धशतक था.टीम के टॉप ऑर्डर में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पहले दो ओपनिंग स्लॉट में लगभग तय माने जा रहे हैं. नंबर 3 के लिए करुण नायर और साई सुदर्शन के बीच प्रतिस्पर्धा है, जबकि कप्तान शुभमन गिल नंबर 4 पर खेलेंगे. इस स्थिति में ईश्वरन के लिए कोई स्लॉट उपलब्ध नहीं दिख रहा.

कुलदीप यादव- इंग्लैंड की पिच और रिकॉर्ड पड़ सकते हैं भारी

लेफ्ट-आर्म चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव, जिनके नाम 13 टेस्ट में 56 विकेट हैं, इंग्लैंड के सीमिंग कंडीशंस में प्लेइंग इलेवन से बाहर रह सकते हैं. टीम में पहले स्पिनर के तौर पर रविंद्र जडेजा की जगह लगभग तय मानी जा रही है. अगर जडेजा को आराम दिया जाता है, तो भारत वॉशिंगटन सुंदर को वरीयता दे सकता है, जो एक बेहतर ऑलराउंड विकल्प हैं.

ध्रुव जुरेल- बैकअप भूमिका में रहेंगे सीमित

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन (94 और नाबाद 53) करने वाले युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को इस दौरे में बैकअप कीपर के तौर पर शामिल किया गया है. ऋषभ पंत, जो चोट से वापसी कर रहे हैं, टीम के उपकप्तान भी हैं और नंबर 5 पर खेलने उतरेंगे. पंत की अनुपस्थिति में भी भारत केएल राहुल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंप सकता है. इसके अलावा, टीम में निचले क्रम को मजबूत करने के लिए शार्दुल ठाकुर या नीतीश रेड्डी जैसे ऑलराउंडरों को वरीयता मिलने की संभावना है, जिससे जुरेल के लिए बतौर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज भी मौका सीमित हो सकता है.

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम:

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव.

डबल्यूआर चैस ने जीता फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में डब्ल्यूआर चेस टीम ने कज़चेस को दोनों मैचों में 4-2 से हराकर विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब दूसरी

बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने 2024 में कजाकिस्तान में यह खिताब जीता था। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में 53 टीमों में से शीर्ष 16 टीमों ने जगह बनाई थी, जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। हर मुकाबले में टीमों के बीच कम से कम दो मैच हुए, और बराबरी की स्थिति में प्लेऑफ मुकाबले भी कराए गए।

फाइनल मुकाबले में चमके डबल्यूआर के सितारे

डबल्यूआर चेस ने दोनों फाइनल मैचों में 4-2 से जीत दर्ज की। अलीरेज़ा फिरोजा, हिकारु नाकामुरा और मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव ने निर्णायक जीत दर्ज कर टीम को खिताबी जीत दिलाई। टीम को बिग बेन और शतरंज मोहरे के मिश्रण से प्रेरित ट्रॉफी के साथ पुरस्कार राशि भी मिली।

तीसरा स्थान हेक्सामाइंड को

भारतीय सितारों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख से सजी हेक्सामाइंड चेस क्लब ने उज्बेकिस्तान की टीम को दोनों मैचों में 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं रैपिड विजेता भारत की एमजीडी 1 ने फ्रीडम टीम को हराकर पांचवां स्थान हासिल किया।

5वां केयर्न्स कप शतरंज:

हंपी नें हरिका को हराया , बनाई एकल बढ़त

सेंट लुइस,यूएसए, एजेंसी। में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप केछठे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुक़ाबला हुआ ,

क्यूंकी दोनों सयुंक्त बढ़त पर चल रही थी यह मुक़ाबला बेहद महत्वपूर्ण था और ऐसे में देश की नंबर एक खिलाड़ी और कोनेरु हम्पी का पडला देश की नंबर 2 खिलाड़ी हरिका पर भारी रहा और लगातार प्रतियोगिता में अपनी तीसरी जीत दर्ज करते हुए कोनेरु हम्पी नें 6 राउंड के बाद 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त कायम कर ली है । इस जीत के साथ ही हम्पी विश्व रैंकिंग में 2554 अंको पर पहुँच गयी है एक और जीत उन्हे विश्व नंबर 3 पर फिर से पहुंचा देगी फिलहाल वह चीन की लेई टिंगजे से ठीक पीछे चौंथे स्थान पर है । दोनों के बीच केटालन ओपनिंग में हुए इस मुक़ाबले में हम्पी नें शानदार मध्य खेल और एंडगेम का प्रदर्शन किया और 76 चालों तक चले मुक़ाबले में पहले हाथी और फिर अपने वजीर के शानदार खेल से जीत दर्ज की । खैर यह दिन सिर्फ इसी मुक़ाबले के लिए परिणाम लाने वाला नहीं रहा , इस राउंड में खेले गए हर मुक़ाबले में परिणाम जीत और हार के तौर पर ही आया जिसनें टूर्नामेंट में एक नई जान फूँक दी है ।

ग्लेन मैक्सवेल ने 48 गेंदों पर ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लेन मैक्सवेल का फॉर्म लंबे समय से सवालों में था. लेकिन अब नहीं. क्योंकि, मेजर लीग क्रिकेट 2025 में उन्होंने इसका जवाब अपने बल्ले से एक के बाद एक 13 छक्के बरसाकर दे दिया है. MLC 2025 में ग्लेन मैक्सवेल ने हाहाकारी शतक ठोका है, जिसकी स्क्रिप्ट उन्होंने केवल 48 गेंदों में लिखी है. ऑस्ट्रेलियाई मैक्सवेल ने ये शतक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जमाया. एमएलसी 2025 में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में वॉशिंगटन फ्रीडम के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने वाकई कप्तानी पारी खेली. उन्होंने ये शतक उस मुश्किल वक्त में जड़ा जब आधी टीम सिर्फ स्कोर बोर्ड पर 100 रन लगने से पहले ही डग आउट लौट गई थी. लेकिन, एक बार जब मैक्सवेल का खेल शुरू हुआ तो फिर वॉशिंगटन फ्रीडम के उसी स्कोरबोर्ड को 200 के पार जाने से लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स की टीम चाहकर भी नहीं रोक सकी.

● पहली 15 गेंदों में 11 रन, फिर 34 गेंदों में ठोके 95 रन

ग्लेन मैक्सवेल ने फॉर्म में वापसी करते हुए तूफानी शतक ठोका कैसे, अब जरा वो जान लीजिए. अपनी इनिंग के दौरान एक वक्त मैक्सवेल 15 गेंदों पर सिर्फ 11 रन बनाकर ही खेल रहे थे. लेकिन उसके बाद अगली 34 गेंदों पर उन्होंने बाकी के 95 रन कैसे जड़ दिए पता ही नहीं चला.

किसानों को अधिक लाभ देने वाली फसलों के लिए प्रेरित करें : आयुक्त

हर जिले में एक हजार हेक्टेयर में कृषि और उद्यानिकी फसलों का क्लस्टर बनाएं : वर्णवाल

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने रीवा एवं शहडोल संभाग में कृषि तथा उससे जुड़े विभागों के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि किसान समृद्ध होगा तभी प्रदेश समृद्ध होगा। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 46 प्रतिशत योगदान कृषि और उससे जुड़े विभागों का है। खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए लगातार प्रयास की आवश्यकता है। किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ अधिक लाभ देने वाली फसलों की खेती के लिए प्रेरित करें। किसान को जिस दिन फसल से अधिक लाभ मिलेगा तो वह स्वयं नई फसल को अपना लेगा। गेंहू और धान की फसल की तुलना में दलहन और तिलहन में लाभ अधिक है। दोनों संभागों में अरहर के क्षेत्र विस्तार के लिए विशेष प्रयास करें। इसमें लागत कम और लाभ अधिक है। किसानों को तकनीकी ज्ञान के साथ अरहर की पूसा-16 किस्म की खेती के लिए प्रेरित करें। इसकी फसल 4 महीने में प्राप्त हो जाती है। किसान इसके बाद गेंहू की फसल ले सकता है।

श्री वर्णवाल ने कहा कि हर जिले में कृषि और उद्यानिकी की विशिष्ट फसलों के लिए एक हजार हेक्टेयर का सेक्टर बनाएं। किसी फसल का जब बड़े पैमाने पर उत्पादन होगा तो उसे खरीदने और प्रोसेस करने वाले आसानी से मिल जाएंगे। फल, सब्जी, मसाला तथा फूल की खेती को इसमें प्राथमिकता दें। कई शिक्षित युवा आधुनिक तरीके से खेती कर रहे हैं। इन्हें रोल माडल बनाकर प्रमोट करें। खेती के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन जैसे व्यवसाय अपनाकर ही खेती को लाभदायक बनाया जा सकता है। प्रत्येक विकासखण्ड में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला शुरू कराएं। इनमें निर्धारित लक्ष्य के अनुसार मिट्टी के नमूने देकर उनकी जाँच कराएं तथा किसानों को मृदा हेल्थ कार्ड प्रदान करें। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि दोनों संभागों में किसानों ने डीएपी के स्थान पर एसएसपी और एनपीके खाद को तेजी से अपनाया है। जिसके कारण डीएपी का संकट होने की आशंका नहीं है। खाद का वितरण पीओएस मशीन माध्यम से ही कराएं। इन्हें कंपनियों के सहयोग से अपडेट करा लें।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराएं। इसमें किसान सम्मान निधि के साथ-साथ एग्रीस्टेक में भी ई केवाईसी कराएं, जिससे किसान के साथ-साथ उसकी जमीन और फसल का डाटा अपडेट हो जाए। गिरदावरी में उद्यानिकी फसलों का भी क्षेत्र अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने संभाग के सभी जिलों में विकसित कृषि संकल्प अभियान की सफलता के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने नरवाई जलाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि संभाग के सभी जिलों में बायो एनर्जी प्लांट लगाए जा रहे हैं। इन्हें चलाने के लिए फसल अवशेषों की आवश्यकता होगी। कंपनियां किसानों से निर्धारित राशि देकर पराली तथा अन्य फसल अवशेष खरीदेंगी। बेलर मशीन, सुपर सीडर और हैप्पी सीडर के उपयोग से भी नरवाई प्रबंधन करें। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि जिन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर फल, सब्जी और मसालों की खेती हो रही है वहाँ खाद्य प्रसंस्करण इकाईयाँ स्थापित कराएं। मछली पालन बहुत अधिक लाभकारी है। अगले दो सालों में मछली का उत्पादन दुगना करने के लिए केज कल्चर, बायोफ्लास जैसी व्यावसायिक मछली पालन तकनीकों का उपयोग बढ़ाएं। केवल बाणसागर बांध में ही केज कल्चर के उपयोग से हजारों टन मछली का उत्पादन किया जा सकता है। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए श्री वर्णवाल ने कहा कि जिले में गौ अभ्यारण्य और बड़ी गौशालाओं का निर्माण कराएं। जिनके संचालन से निराश्रित गौवंश को आश्रय मिलने के साथ आर्थिक लाभ भी हो। इन गौशालाओं में खाद बनाने तथा गोबर से बायोगैस प्लांट संचालित करने का प्रयास करें। सेक्स सार्टेड सीमेन का निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार उपयोग सुनिश्चित करें। इससे गर्भाधान पर गाय से केवल मादा शिशु का जन्म होता है। दुधारू पशुपालन से जुड़ी योजनाओं में निर्धारित मिल्क रूट के हितग्राहियों को प्राथमिकता दें।

शिविर लगाकर बनाए जा रहे हैं आयुष्मान कार्ड

रीवा। शासन के निर्देशानुसार रीवा और मऊगंज जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर 16 जुलाई तक लगाए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि शिविर में वय वन्दना योजना, कर्मकार मण्डल तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 16 जुलाई तक अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ-साथ आंगनवाड़ियों में मंगलवार और शुक्रवार को टीकाकरण के उपरांत और शेष दिवसों में ग्राम पंचायत के सामुदायिक भवन पर आशा, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से आपसी समन्वय से कार्ड बनाया जा रहा है। इच्छुक हितग्राही अपने क्षेत्र की आशा बहनों और रोजगार सहायक से संपर्क कर आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदा में किसानों को देती है बीमा लाभ

रीवा। देश में खेती परंपरागत रूप से प्रकृति पर आधारित है। किसान की फसल पर पाले, अधिक वर्षा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा में हानि का सदैव खतरा रहता है। इससे किसान को सुरक्षा देने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना में बीमा कंपनियाँ बीमा की जो राशि तय करती हैं उसमें से किसान को खरीफ फसल के लिए केवल 2 प्रतिशत और रबी फसल के लिए 1.5 प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। बागवानी फसलों के लिए प्रीमियम राशि 5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। प्रीमियम की शेष राशि का 50 प्रतिशत केन्द्र सरकार तथा 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा अदा किया जाता है। फसल हानि होने पर कम से कम 25 प्रतिशत दावा राशि सीधे किसान के बैंक खाते में दी जाती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि प्रत्येक जिले में तहसीलवार, फसलवार तथा हल्कावार बीमा के प्रकरण तैयार किए जाते हैं। ऋणी और अऋणी किसान खरीफ फसल के लिए 16 अगस्त तक तथा रबी फसल के लिए 15 सितम्बर से 16 जनवरी तक फसल बीमा योजना के आवेदन बैंकों में जमा कर सकते हैं। बैंकों द्वारा खरीफ फसल के लिए 30 सितम्बर तक तथा रबी फसल के लिए 28 फरवरी तक बीमा प्रस्ताव संबंधित बीमा कंपनी को भेजना आवश्यक होगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ फसल के लिए ऋणी किसान 15 सितम्बर तक एवं अऋणी किसान 22 अगस्त तक प्रीमियम की राशि जमा कर सकते हैं। रबी फसल के लिए ऋणी किसान 15 फरवरी एवं अऋणी किसान 22 जनवरी तक प्रीमियम राशि जमा कर सकते हैं। फसलों के पैदावार के आंकड़े के आधार पर आधुनिक तकनीक से फसल के नुकसान का आकलन किया जाता है। फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त आंकड़े स्मार्ट फोन के माध्यम से अपलोड किए जाते हैं। जल भराव होने, चक्रवात और बेमौसम बारिश होने से फसलों को हानि होने पर भी बीमा सुरक्षा का लाभ दिया जाएगा।

छात्रावासों में कोचिंग देने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

रीवा। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में विद्यार्थियों को कोचिंग देने के लिए पात्र शिक्षकों के आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन बालक छात्रावास क्रमांक एक, क्रमांक दो, क्रमांक तीन, बालक छात्रावास विश्वविद्यालय परिसर, कन्या छात्रावास शासकीय कन्या महाविद्यालय तथा कन्या छात्रावास विश्वविद्यालय परिसर में विषय विशेषज्ञ के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अनुसूचित जाति उत्कृष्ट बालक छात्रावास, उत्कृष्ट कन्या छात्रावास, बालक छात्रावास तथा कन्या छात्रावास रायपुर कर्चुलियान, बालक तथा कन्या छात्रावास सिरमौर, बालक तथा कन्या छात्रावास गंगेव, कन्या छात्रावास जवा में अंगेजी विषय की कोचिंग के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।

मऊगंज जिले में अनुसूचित जाति उत्कृष्ट बालक तथा कन्या छात्रावास मऊगंज, उत्कृष्ट बालक तथा कन्या छात्रावास हनुमना एवं उत्कृष्ट बालक तथा कन्या छात्रावास नईगढ़ी में भी कोचिंग के लिए शिक्षक की आवश्यकता है। इन संस्थानों में कक्षा नवीं, दसवीं के विद्यार्थियों को अंग्रेजी, गणित, विज्ञान एवं कम्प्यूटर की कोचिंग दी जाएगी।

नाबार्ड द्वारा मैंगो फेस्टिवल का आयोजन आज

रीवा। भारत सरकार द्वारा संचालित नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एण्ड रूरल डेवलपमेंट नाबार्ड द्वारा 19 जून को मैंगो फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे शासकीय कृषि महाविद्यालय रीवा में आरंभ होगा। इस संबंध में नाबार्ड के क्षेत्रीय महाप्रबंधक एसके जेना ने बताया कि मैंगो फेस्टिवल में प्रगतिशील किसानों और एफपीओ के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

स्वागतम लक्ष्मी बालिका जन्मोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रीवा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत स्वागतम लक्ष्मी बालिका जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय बिछिया में किया गया। कार्यक्रम में नवजात बालिकाओं एवं उनकी माताओं का सम्मान किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह ने बताया कि नवजात बालिकाओं की माताओं का स्वागत हल्दी

और कुमकुम लगाकर और माला पहनाकर किया गया एवं बच्चियों को उपहार का वितरण किया गया। कार्यक्रम में गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग निर्धारण निषेध) की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी मिश्रा, सदस्य प्रवीण मिश्रा, विभा द्विवेदी, आरती शर्मा, बाल संरक्षण अधिकारी स्वाति श्रीवास्तव, बेनिसन हेल्पिंग सोशल वेलफेयर सोसायटी से श्लेषा शुक्ला अस्पताल की नर्सेज तथा अमर सिंह उपस्थित रहे।

संभागीय सतर्कता समिति में होगी एक सदस्य की नियुक्ति

रीवा। लोकायुक्त पुलिस विभाग में संभागीय सतर्कता समिति गठित है। समिति में शासन द्वारा निर्धारित तीन पदों में से दो पद भरे हुए हैं। समिति में रिक्त एक पद को भरे जाने की कार्यवाही की जा रही है। शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय वन सेवा अथवा भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इन सेवाओं के समकक्ष अन्य सेवाओं के प्रतिष्ठित क्षेत्र के भी सेवानिवृत्त व्यक्ति इसके लिए पात्र होंगे। इच्छुक सेवानिवृत्त अधिकारी अपना बायोडाटा जिला विशेष शाखा रीवा में प्रस्तुत कर सकते हैं।

ननि द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान निरंतर जारी

रीवा। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नियमित रूप से अतिक्रमण विरोधी अभियान निरंतर जारी है। जिसमें दिनांक 18.06.2025 को वार्ड 05 ढेकहा तिराहा से बनकुईया रोड़ तक एवं जेपी मोड़ तिराहे में अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। ढेकहा तिराहा से बनकुईया रोड तक दर्जनो की संख्या में दुकानदारो द्वारा सड़क मार्ग के

दोनो तरफ लोहे के स्ट्रक्चर बनाकर सेड बढ़ा लिया गया था एवं सीढ़ी बनाकर व्यापार किया जा रहा था, जिससे आवागवन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। अतिक्रमण प्रभारी द्वारा टीम के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई साथ ही दर्जनों गोमतियो की जसी की कार्यवाही भी की गई। मौके पर शांति व्यवस्था को कायम रखने हेतु पुलिस बल मौजूद रही। अतिक्रमणकारियों को समझाइस दी गई कि पुनरावृत्ति किये जाने पर नगर निगम द्वारा कड़ी कार्यवाही की जावेगी। इस कार्यवाही के दौरान अतिक्रमण प्रभारी श्री रावेन्द्र शुक्ला अतिक्रमण अमले के साथ मौजूद रहे।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

रीवा। जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 धक्टल धान का उत्पादन होता है।

मास्टर ट्रेनर के लिए प्रस्ताव 25 जून तक

रीवा। वनाधिकार अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय समिति, उपखण्ड स्तरीय समिति तथा ग्राम स्तरीय समिति के सदस्यों को शासन के निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्राम स्तरीय समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण देने के लिए आठ मास्टर ट्रेनर तैनात किए जाएंगे। इस संबंध में जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग कमलेश्वर सिंह ने बताया कि मास्टर ट्रेनर के रूप में शासन द्वारा राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वन विभाग तथा अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि नामांकित करने के निर्देश दिए गए हैं। इनके लिए संबंधित अधिकारी कृपया 25 जून तक मास्टर ट्रेनर नामांकित कर दें जिससे इन्हें प्रशिक्षण के लिए संचालक क्षेत्रीय विकास योजनाएं भोपाल भेजा जा सके। प्रत्येक विकासखण्ड से दो-दो कर्मचारी नामांकित होंगे। इनके द्वारा ग्राम स्तरीय समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

लीवर की जाँच के लिए कार्यालयों में लगेंगे शिविर

रीवा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वस्थ लीवर मिशन के तहत नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज की जाँच के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले भर में 30 जून तक शिविर लगाकर संदिग्ध रोगियों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल, सीबीसी तथा लीवर की जाँच की जा रही है। अधिकारियों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जाँच के लिए 20 से 30 जून तक विभिन्न कार्यालयों में शिविर लगाए जाएंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि स्वस्थ लीवर मिशन 21 मई से चलाया जा रहा है। इसके तहत मुख्य रूप से फैटी लीवर की जाँच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में की जा रही है। अधिकारियों और कर्मचारियों को फैटीलीवर जाँच की सुविधा देने के लिए 20 जून को कलेक्ट्रेट तथा नगर निगम के जोन कार्यालयों में शिविर लगाए जाएंगे। इसी तरह 23 जून को आईजी कार्यालय, एसपी कार्यालय, एसएएफ बटालियन, आयुर्वेद महाविद्यालय तथा केन्द्रीय जेल में शिविर लगेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने गुलामी की बेड़ियां तोड़ी, राजपथ अब कर्त्तव्य पथ बना : योगेंद्र

रीवा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्र सरकार के11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत शक्ति केंदो में संकल्प सभाका आयोजन किया जा रहा है वार्ड क्रमांक 10 केश्री राम वाटिका में संकल्प सभाआयोजित की गई जिसे पार्टी के नेता योगेंद्र शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में जन आकांक्षा के अनुरूप श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और लोकतंत्र के मन्दिर सदन की दहलीज पर शीश झुकाते हुए कहा कि मेरी सरकार गरीबों की सरकार है, मेरी सरकार देश के

नौजवानों और महिलाओं के सपने पुरे करने वाली सरकार है।इन 11वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने जीवन का पल-पल और हर क्षण सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि पहले योजनाएं कागजों की धूल फांकती रहती थी।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में किया गया व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन

रीवा। आज दिनांक 18 जून को महारानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि के अवसर पर इंदिरा महिला छात्रावास अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र कुमार कुड़रिया जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता , मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मीनाक्षी मिश्रा जी जिला संयोजिका महिला समन्वय महाकौशल प्रांत एवं अध्यक्ष किशोर न्यायालय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. प्रवीण तिवारी जी संयोजिका विश्व मांगल्य सभा महाकौशल प्रांत एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ स्वागत उद्बोधन डॉ. नविता श्रीवास्तव जी वॉर्डन के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ मुक्ता त्रिपाठी सहायक प्राध्यापक भौतिकी एवं सहायक वॉर्डन इंदिरा महिला छात्रावास अवधेश प्रताप सिंह विश्व विद्यालय रीवा के द्वारा किया गया।

जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक 20 जून को

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में 20 जून को शाम 4 बजे से जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल मार्च तिमाही की उपलब्धियों, बैंकों के ऋण-जमा अनुपात, किसान क्रेडिट कार्ड बनाने तथा प्राथमिक क्षेत्र में निवेश की बैंकवार समीक्षा करेंगी। बैठक में विभिन्न विभागों की बैंकों के सहयोग से लागू स्वरोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की जाएगी। अग्रणी बैंक प्रबंधक जगमोहन ने सभी बैंकर्स तथा संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

वर्षा पूर्व तैयारियों को लेकर निगम आयुक्त का भ्रमण जारी

रीवा। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व तैयारियों के अंतर्गत वार्डों का सतत भ्रमण किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 18 जून को निगम आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 25 एवं 26 का निरीक्षण कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बाणसागर तालाब की सफाई की प्रगति पर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, तालाब से सटे अतिक्रमणों को तत्काल हटाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। पोखरी टोला एवं अम्बेडकर नगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या को देखते हुए निगम आयुक्त ने मौके पर लेवल लेकर नाली एवं सड़क निर्माण हेतु एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। तात्कालिक समाधान के लिए कच्ची नाली बनाकर जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अमले को दिए गए। सीवरेज कार्यों के कारण मार्गों की

स्थिति पर संज्ञान लेते हुए आयुक्त ने निर्देश दिए कि जहां भी सीवरेज का कार्य हुआ है, वहां तत्काल टीम लगाकर सड़क को मार्टेबल किया जाए। कायाकल्प योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। वार्ड 26 में निरीक्षण के दौरान नाली के चैम्बर क्षतिग्रस्त एवं निम्न गुणवत्ता के पाए जाने पर आयुक्त ने निर्देशित किया कि उसी राशि से ठेकेदार से नाली कवर पुन: निर्माण कराया जाय और उपयंत्री को नोटिस जारी करने को कहा। स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगा को फटकार लगाई गई एवं मौके पर टीम लगाकर नालियों की सफाई के निर्देश दिए गए। एवं अवैध रूप से खुले चिकन शाप को नोटिस जारी कर सील करने के निर्देश दिए। वार्ड 25 में स्थित विवेकानंद नगर से 100 फीट तक की सड़क निर्माण कार्य को प्राथमिकता में लेते हुए आयुक्त ने उक्त कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त निगम आयुक्त ने वार्ड 43 एवं 44 का भी भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान होमगार्ड के सामने की रोड़ का निरीक्षण किया एवं शीघ्र रोड़ रेस्टोरेशन करने के निर्देश दिए। श्रवण बाधित स्कूल में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया साथ ही प्रतिदिवस प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा एवं कार्य को सीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बाउड्रीवाल के सामने प्लांटेशन एवं पेवर ब्लाक लगाकर स्थल विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही नेत्रहीन विद्यालय का निरीक्षण किया एवं वहा भी चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति बढ़ाकर जल्द पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही दिव्यांग पार्क को विकसित करने के निर्देश दिए। गड्डी रोड़ में चल रहे सीवरेज कार्य का निरीक्षण किया एवं जल्द पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए। नाले की सफाई की स्थिति का जायजा लिया गया एवं वर्षाकाल के पूर्व सफाई के निर्देश दिए। वार्ड 43 में कायाकल्प के अंतर्गत रोड़ निर्माण का निरीक्षण किया एवं उसके पास ही वन स्टाप सेंटर के सामने वाली गली में नाली एवं रोड़ बनाने को कहा। पीएम आवास में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया एवं कार्यों की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुये शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद श्री स्वतंत्र शर्मा, जनप्रतिनिधि श्री सुभाष कुशवाहा, श्री साबिर खान, कार्यपालन यंत्री श्री राजेश सिंह, श्री एचके त्रिपाठी, सहायक यंत्री श्री अम्बरीष सिंह, श्री एसएन द्विवेदी, श्री पीएन शुक्ला, स्वास्थ्य अधिकारी श्री बालगोविन्द्र चतुर्वेदी, श्री मुरारी कुमार, उपयंत्री, स्वच्छता निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी सहित सीएमआर, सहज कम्पनी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833